Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 132
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-गुरूवार,11 सितम्बर 2025 लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

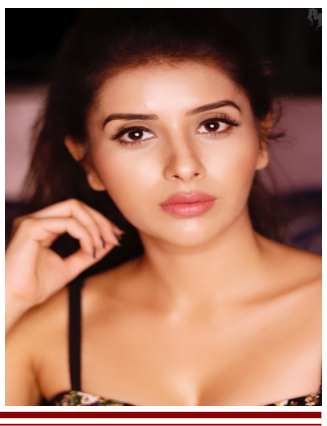

3 लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वाँ दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

4 नेपाल में फिर राजनैतिक उथल-पुथल

5 तलाक के 2 साल बाद एक्स के प्यार में चारु असोपा

योग्य गुरु मिले तो कोई भी मनुष्य अयोग्य नहीं

साधु अकेला, समाज उसका परिवार : सीएम

सीएम योगी को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धाजंलि समारोह के अंतर्गत बुधवार (आश्विन कृष्ण तृतीया) को महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि पर अपनी भावाभिव्यक्ति कर रहे थे।

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है। अगर कोई मनुष्य अयोग्य है तो मानकर चलिए उसे योग्य योजक नहीं मिला। योग्य गुरु मिलने पर मनुष्य अयोग्य हो ही नहीं सकता। इस परिप्रेक्ष्य में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की सर्वस्वीकार्य प्रतिष्ठा सुयोग्य योजक की है। सीएम योगी को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धाजंलि समारोह के अंतर्गत बुधवार (आश्विन कृष्ण तृतीया) को महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि पर अपनी भावाभिव्यक्ति कर रहे थे। अमन्त्रमक्षरं नास्ति, नास्ति मूलमनौषधम्, अयोग्यः पुरुषो नास्ति योजकस्तत्र दुर्लभः॥ का उद्धरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा कोई अक्षर नहीं है जिसमें मंत्र बनने का सामर्थ्य न हो और ऐसी कोई वनस्पति नहीं है जिसमें औषधीय गुण न हो। ऐसे ही कोई व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, जरूरत होती है व्यक्ति की योग्यता को पहचान कर उसे सही दिशा देने वाले गुरु की। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय ने सदैव योजक की भूमिका का निर्वहन कर समाज और राष्ट्र को दिशा दिखाई। पूर्ववर्ती दोनों पीठाधीश्वरों युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज का पूरा जीवन देश और धर्म के लिए समर्पित था। साधु अकेला, समाज उसका परिवार, सनातन ही उसकी जाति मुख्यमंत्री ने कहा कि साधु अकेला होता है। समाज उसका परिवार, राष्ट्र उसका कुटुंब होता है और उसकी जाति सिर्फ सनातन होती है। उन्होंने कहा कि संतों के संकल्प में पवित्रता, दृढ़ता होती है, संकल्प में उसकी साधना के अंश होते हैं। और, जब सच्चा संत कोई संकल्प लेता है तो उसके परिणाम अवश्य आते हैं। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ ऐसे ही संकल्पों वाले संत थे। अयोध्या के श्रीराम मंदिर निर्माण के उनके संकल्प और संकल्प के प्रति किए गए संघर्ष का परिणाम आज पूरी दुनिया के सामने है। हिंदुआ सूर्य महाराणा प्रताप की परंपरा से गोरखपुर आए महंत दिग्विजयनाथ मुख्यमंत्री ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति को नमन करते हुए कहा कि महंतश्री का जन्म इतिहास प्रसिद्ध मेवाड़ की उस कुल परंपरा में हुआ था जिसने विदेशी आक्रांताओं के सामने कभी समर्पण नहीं किया। वह हिंदुआ सूर्य महाराणा प्रताप की परंपरा से गोरखपुर आए। उनका जीवन सिर्फ आध्यात्मिक उन्नयन तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्होंने धर्म के अभ्युदय के साथ समाज और राष्ट्र के हित में सांसारिक उत्कर्ष को भी शिक्षा और सेवा के माध्यम से आमजन के लिए महत्व दिया। यही कार्य महंत अवेद्यनाथ जी ने भी किया। सीएम योगी ने कहा कि सच्चा साधु धर्म के अभ्युदय और निः श्रेयस, दोनों को साथ लेकर चलता है। गोरखनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप के शिल्पी और शैक्षिक क्रांति के पुरोधा थे महंत दिग्विजयनाथ मुख्यमंत्री ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी गोरखनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप के शिल्पी थे। उन्होंने इसे सनातन परंपरा के वैभवशाली मंदिर के रूप में स्थापित किया। इसके साथ ही उनकी ख्याति पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति के पुरोधा के रूप में भी है।

झारखंड में एक व्यक्ति ने की 2 महिलाओं की हत्या,

झारखंड। संतोष रविदास की पत्नी रिंकू देवी (32) और सोनी देवी (25) चार दिन पहले घर से पत्ते तोड़ने के लिए निकली थीं और उसके बाद से लापता हो गई थीं। गिरिडीह ज़िले में दो महिलाओं की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी और घटना के सामने आने के 24 घंटे के भीतर ही हत्या के आरोपी व्यक्ति की पुलिस हिरासत में मौत हो गई। इस घटना ने संदेह और आक्रोश पैदा कर दिया है। संतोष रविदास की पत्नी रिंकू देवी (32) और सोनी देवी (25) चार दिन पहले घर से पत्ते तोड़ने के लिए निकली थीं और उसके बाद से लापता हो गई थीं। बाद में उनके शव उनके गाँव से लगभग चार किलोमीटर दूर गोल्गो हिल्स के पास एक जंगल से बरामद किए गए। पुलिस ने श्रीकांत चौधरी को गिरफ्तार कर लिया, जिसने कथित तौर पर दोनों महिलाओं की गला घोंटकर हत्या करने की बात कबूल की है।

बिहार को मोदी कैबिनेट की 7500 करोड़ की सौगात

वैष्णव बोले- विकास को मिली गति

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार में 7500 करोड़ रुपये की दो महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें एक रेलवे लाइन का दोहरीकरण और एक हाई-स्पीड राजमार्ग का निर्माण शामिल है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, ये परियोजनाएँ बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करेंगी तथा पीएम-गति शक्ति योजना के तहत विकास की गति को तेज करेंगी।

बिहार : केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार में 7,500 करोड़ की एक रेलवे और एक राजमार्ग परियोजना को मंजूरी दे दी है। वैष्णव ने कहा कि देश में बुनियादी ढाँचे के निर्माण की गति बेहतर हुई है। बुधवार को कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान वैष्णव ने कहा कि आज की कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो बड़ी बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। वैष्णव ने आगे कहा कि बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड मोकामा-मुंगेर सेक्शन के निर्माण को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन सेक्शन (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी है, जिसकी कुल लागत 3,169 करोड़ रुपये है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इसमें 3,169 करोड़ रुपये का निवेश होगा। यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली एक बेहद महत्वपूर्ण परियोजना भी है। अगर हम इस परियोजना को मानचित्र पर देखें, तो यह बिहार से शुरू होकर रामपुरहाट में झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ती है। अभी चलने वाली ज्यादातर ट्रेनें भागलपुर से मालदा टाउन और रामपुरहाट होते हुए हावड़ा जाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस दोहरीकरण के बाद, कई ट्रेनें भागलपुर से दुमका और वहाँ से सीधे रामपुरहाट जा सकेंगी। कई पैसेंजर ट्रेनें, मेल एक्सप्रेस ट्रेनें इससे होकर गुजर सकेंगी और यह देवघर तीर्थस्थल को भी जोड़ती है। एक तरह से, दक्षिण बिहार को कोलकाता से जिस कनेक्टिविटी की जरूरत है, वह इस परियोजना से पूरी हो जाती है। वैष्णव ने कहा, दोनों परियोजनाएँ तीन वर्षों में पूरी हो जाएँगी। राजमार्गों और रेलवे निर्माण, दोनों की गति बेहतर हुई है। मोकामा-मुंगेर खंड मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शहरों से होकर गुजरता है या उन्हें कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जो भागलपुर से जुड़ता है। 82.4 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का निर्माण हाइब्रिड एन्युइटी मोड (HAM) के तहत 4,447.38 करोड़ की पूंजीगत लागत से किया जाएगा। विज्ञप्ति में आगे कहा गया है, मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी, जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढाँचागत विकास संभव होगा। विज्ञप्ति में कहा गया है, इन परियोजनाओं की योजना पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई है।

दिल्ली सरकार इहबास को प्राथमिकता के आधार पर पुनर्जीवित करेगी : रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस संस्थान के लिए नए भवन का निर्माण करेगी और चालू वित्त वर्ष में एमआरआई, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी जांच सुविधाओं का इंतजाम किया जाएगा।

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को घोषणा की कि उनकी सरकार पूर्वी दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ मन बिहेवियर एंड अलाइड साइंसेज (इहबास) को प्राथमिकता के आधार पर पुनर्जीवित करेगी। मुख्यमंत्री ने संस्थान का औचक निरीक्षण करने के बाद आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थान की उपेक्षा की। उन्होंने बताया कि यह अस्पताल प्रतिदिन 2,500 से 3,000 ओपीडी मरीजों को देखता है, लेकिन यहां मूलभूत जांच सुविधाओं की कमी है। उन्होंने कहा कि सरकार संस्थान में महत्वपूर्ण डायग्नोस्टिक अवसंरचना की व्यवस्था करेगी। गुप्ता ने कहा, यह अस्पताल न सिर्फ दिल्ली, बल्कि एनसीआर के मरीजों को भी न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के लिए इलाज उपलब्ध कराता है। मुझे इहबास को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। यहां 2012 से एमआरआई मशीन नहीं है और सीटी स्कैन मशीन भी उपलब्ध नहीं है। एक्स-रे की सुविधाएं भी सीमित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस संस्थान के लिए नए भवन का निर्माण करेगी और चालू वित्त वर्ष में एमआरआई, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी जांच सुविधाओं का इंतजाम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सबसे पहले अस्पताल के लिए एक नई ओपीडी का निर्माण किया जाएगा, जिसके बाद मुख्य इमारत का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विषम परिस्थितियों के बावजूद मरीजों का इलाज करने के लिए चिकित्सकीय टीम की सराहना भी की।

बंगाली में और ज्यादा बोलो, डरने की जरूरत नहीं...', ममता ने किया आह्वान

जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल): ममता बनर्जी ने जलपाईगुड़ी में एक कार्यक्रम के दौरान जनता से आह्वान किया कि वे बिना घबराए और ज्यादा बंगाली में बातचीत करें। उन्होंने यह बयान पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिकों पर हो रहे कथित हमलों की पृष्ठभूमि में दिया है। उन्होंने नेपाल में फंसे राज्य के लोगों से अपील की कि वे घबराएं नहीं, उन्हें जल्द सुरक्षित वापस लाया जाएगा।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को जनता से आग्रह कि वे बंगाली में ज्यादा बोलें और डरें नहीं। उनका यह बयान राज्य के प्रवासी मजदूरों पर हो रहे कथित हमलों की पृष्ठभूमि में आया है। बनर्जी ने कहा, बंगाली में ज्यादा बोलो, डरो मत। हम स्पष्ट कहना चाहते हैं कि हम अपनी मातृभाषा यानी बंगाली ही बोलेंगे। लेकिन हम दूसरी भाषाओं का भी सम्मान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो प्रवासी मजदूर वापस बंगाल लौटेंगे, उन्हें सरकार की ओर से पांच हजार रुपये दिए जाएंगे और उनके बच्चों को नजदीकी स्कूल में दाखिला मिल सकेगा। जलपाईगुड़ी में एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, मैं रोज अपमान झेलती हूं, क्योंकि मैं बंगाल का विकास चाहती हूं। नेपाल की स्थिति पर ममता बनर्जी ने कहा, नेपाल में फंसे पर्यटकों की स्थिति को मैं गंभीरता से ले रही हूं। मैं उन्हें यह कहना चाहती हूं कि जब तक हालात सामान्य न हो जाएं, वे थोड़ा इंतजार करें। हम इस पूरे मामले पर नजर रखे हुए हैं और जल्द ही आप सभी को वापस लाया जाएगा। मंगलवार को नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह इस्तीफा युवाओं के उस आंदोलन के दबाव में दिया, जिसने पूरे नेपाल को राजनीतिक और सामाजिक रूप से हिला कर रख दिया है। प्रदर्शनकारियों ने कई बड़े नेताओं के घरों में आग लगा दी, राजनीतिक दलों के दफ्तरों पर हमला किया, संसद में तोड़फोड़ की और पूरी सरकार को हिला दिया। ओली सरकार ने कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाए थे, जिसके बाद युवाओं ने यह आंदोलन शुरू किया। आंदोलन पहले ही दिन हिंसक हो गया था, जिसमें 19 लोगों की मौत हो गई थी।

डोडा: मेहराज मलिक की गिरफ्तारी असंवैधानिक: संजय सिंह

जम्मू। जम्मू-कश्मीर आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और डोडा से मौजूदा विधायक मेहराज मलिक को जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया। इस पर आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने विरोध दर्ज किया है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, क्या एक चुने हुए जनप्रतिनिधि पर पीएसए लगाना उचित है? चुने हुए प्रतिनिधि को आतंकवाद की तरह व्यवहार करना उचित नहीं है। यह असंवैधानिक है। मेहराज मलिक अस्पताल मांग रहे थे, आपने उन्हें पीएसए दे दिया, यह एक खतरनाक कानून का इस्तेमाल है। उन्होंने कहा कि यह कोई पहली बार नहीं है जो हमारी

पार्टी के साथ हो रहा हैय हमारी पार्टी को खत्म करने के लिए भाजपा ने कई बार साजिश रची है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और हमें भी गिरफ्तार किया गया था। संजय सिंह ने कहा कि यह कार्रवाई दिखाती है कि भाजपा का प्रयास आम आदमी पार्टी को खत्म करने का है। हम आंदोलन से निकले लोग है और इसकी लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा, ष्क्या जम्मू-कश्मीर में इस तरह की कार्रवाई उचित है? आज इस कार्रवाई के कारण पूरी पार्टी के कार्यकताओं और जम्मू-कश्मीर की जनता में भारी रोष और गुस्सा है। सरकार यहां कुछ भी कर सकती है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान क्रॉस-वोटिंग के सवाल पर कहा, ष्जिन पार्टियों में क्रॉस-वोटिंग हुई है, उन्हें इसका पता लगाकर संबंधित लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरे

हिंदू नेता के हत्यारे से दिनदहाड़े मुठभेड़, पुलिस ने पैर में मारी गोली

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में हिंदू समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष कमल चौहान की गोली मारकर हत्या किए जाने के आरोपी को मुरादाबाद पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। कटघर थाना क्षेत्र में मुरादाबाद पुलिस ने दिनदहाड़े हत्या के आरोपी शनि दिवाकर के साथ मुठभेड़ की। इस दौरान शनि दिवाकर के दोनों पैरों में गोली लगी जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह भी मौजूद रहे और खुद मुठभेड़ की निगरानी की। पूछताछ के दौरान घायल आरोपी शनि दिवाकर ने अपने जुर्म को कबूल कर लिया।

ग्वालियर के कांग्रेस महापौर की छवि धूमिल करवा रही भाजपा: उमंग सिंघार

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर ग्वालियर में कांग्रेस की महापौर की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया है। भारतीय भोजन सिंघार ने एक्स पर पोस्ट करते हुए दावा किया कि राज्य के दो मंत्रियों प्रद्युम्न सिंह तोमर और तुलसी सिलावट ने कल मंत्रिपरिषद् की बैठक के बाद ग्वालियर शहर की बदतर हालत को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से शिकायत की। मंत्रियों ने कहा कि शहर नरक जैसा हो गया है, अव्यवस्था चरम पर है, और न तो नगर निगम कमिश्नर सुन रहे हैं, न ही कलेक्टर। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री डॉ यादव के आश्वासन के बाद भी तोमर नहीं रुके और ग्वालियर के प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट ने भी उनका समर्थन किया।

नेपाल प्रदर्शन: इंडिगो एयरलाइंस ने जारी की नई ट्रेवल एडवाइजरी

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस ने काठमांडू हवाई अड्डे के बंद होने की अवधि बढ़ाए जाने के बाद नई ट्रेवल एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी के अनुसार, काठमांडू से आने-जाने वाली सभी उड़ानें 10 सितंबर को शाम 6 बजे तक रद्द रहेंगी। यह फैसला नेपाल में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों और हवाई अड्डे की सुरक्षा स्थिति को देखते हुए लिया गया है। इंडिगो ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया, श्इस अनिश्चितता से यात्रियों को होने वाली असुविधा का अहसास है। कंपनी ने यात्रियों को आश्वासन दिया है कि उनके लिए फ्लेक्सिबल ऑप्शन्स उपलब्ध रहेंगे। इसके तहत, काठमांडू से आने-जाने

वाली उड़ानों के लिए री-शिड्यूल और कैंसिलेशन पर छूट 12 सितंबर तक जारी रहेगी। यह सुविधा उन यात्रियों के लिए लागू होगी, जिन्होंने 9 सितंबर या उससे पहले अपनी बुकिंग कराई थी। प्रभावित यात्री अपनी यात्रा का विकल्प चुनने या रिफंड के लिए एयरलाइन की वेबसाइट पर जा सकते हैं। हालांकि, उड़ानें अभी रुकी हुई हैं, लेकिन इंडिगो की टीमें स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर स्थिति पर नजर रख रही हैं। कंपनी का कहना है कि जैसे ही अनुमति मिलेगी, उड़ान सेवाएं फिर से शुरू की जाएंगी। इसके लिए नियमित अपडेट्स एयरलाइन के आधिकारिक चौनलों के माध्यम से साझा किए जाएंगे।

मोदी 11 सितंबर को मारीशस के प्रधानमंत्री का वाराणसी में करेंगे स्वागत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 सितंबर को वाराणसी में मारीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम की मेजबानी करेंगे और इसके बाद वहां से उत्तराखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के हवाई सर्वेक्षण के लिए देहरादून जाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार मोदी कल लगभग 11.30 बजे प्रधानमंत्री रामगुलाम का वाराणसी में स्वागत करेंगे। वह 9 से 16 सितंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। मोदी वहां से देहरादून जाएँगे और लगभग 4रू15 बजे, उत्तराखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। प्रधानमंत्री लगभग पांच बजे अधिकारियों के साथ एक उच्च-

स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है कि ऐतिहासिक शहर वाराणसी में दोनों नेताओं के बीच यह बैठक स्थायी सभ्यतागत जुड़ाव, आध्यात्मिक बंधन और लोगों के बीच गहरे संबंधों को रेखांकित करती है। इसी सांस्कृतिक और सभ्यतागत जुड़ाव ने भारत और मॉरीशस के बीच विशेष और अनूठे संबंधों को विशेष आकार दिया है। दोनों नेता इस मुलाकात में द्विपक्षीय सहयोग के संपूर्ण आयाम की समीक्षा करेंगे, जिसमें विकास साझेदारी और क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वे स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, बुनियादी ढाँचे के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे और नीली अर्थव्यवस्था जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा करेंगे। मोदी इसी वर्ष मार्च में मॉरीशस की राजकीय यात्रा पर गये थे और इससे दोनों देशों के बीच संबंधों को गति मिली थी। बयान में कहा गया है कि रामगुलाम की इस यात्रा से उस गति को और बल मिलेगा। मोदी की पिछली मारीशस यात्रा में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को उन्नत रणनीतिक साझेदारी का स्तर दिया था।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-गुरूवार,11 सितम्बर 2025

गोरखपुर स्टेशन स्थित वेटिंग रूम की सफाई करते हुए सफाईकर्मी

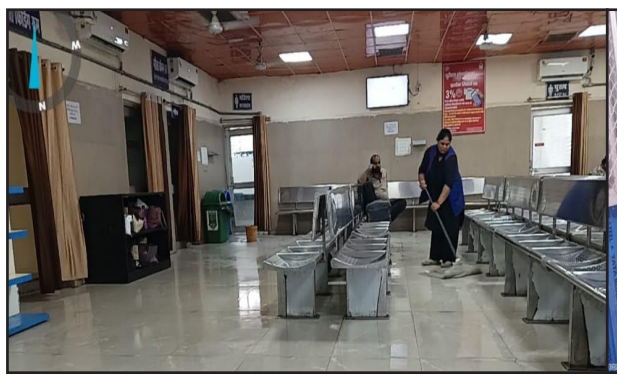

गोरखपुर, : सम्पूर्ण भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत 10 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मण्डलों के सभी प्रमुख स्टेशनों, गाड़ियों, स्टेशन परिसरों, कालोनियों एवं कार्यालयों में स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 10 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मण्डल के सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर स्वच्छता कार्य किया गया। इसी क्रम में स्टेशनों पर कार्य करने वाले स्वास्थ्य निरीक्षकों ने स्वच्छता कर्मचारियों के साथ सार्वजनिक जागरूकता रैली निकाली। स्वच्छता अभियान के दौरान पेण्ट्रीकारों में स्मार्ट डिब्बों के प्रावधान तथा बेहतर अपशिष्ट प्रबन्धन को बढ़ावा दिया गया। कचरा बिन्दुओं की निगरानी की गई, स्टेशनों पर कचरा और वनस्पति की सफाई की गई, डस्टबिनों की धुलाई की गई, बायो-ट्वायलेट्स के पहले चैम्बर की सफाई की गई और टेज्नों एवं स्टेशनों पर यात्रियों को स्वच्छता बनाये रखने के लिये जागरूक किया गया। वाराणसी मण्डल के देवरिया सदर, मऊ, सीवान, बलिया, आजमगढ, बनारस, प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता कार्य करने वाले कर्मचारियों के साथ स्वच्छता नारा और पोस्टर, बैनर लगाकर स्वास्थ्य निरीक्षकों के नेतृत्व में स्वच्छता रैली निकाली गई। अभियान के दौरान बायो-ट्वायलेट्स के पहले चैम्बर की सफाई की गई स्टेशनों का कचरा हटाया गया तथा अवांछित झाड़ियों एवं घास को साफ किया गया। पेण्ट्रीकारों में स्मार्ट डिब्बे को प्रोत्साहित करने के लिये जागरूक किया गया। टेज्नों एवं प्लेटफार्मों पर यात्रियों को ह्यह्यस्वच्छ रेल, स्वच्छ भारतह्यह्य जैसे नारों से जागरूक किया गया। इज्जतनगर मण्डल के हल्द्वानी, काशीपुर, रूद्रपुर सिटी, टनकपुर, कासगंज, रावतपुर, काठगोदाम आदि सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म एवं वाशिंग लाइनों पर ट्रेनों की गहन सफाई की गयी। काठगोदाम एवं कासगंज कोचिंग डिपो में फर्स्ट चैम्बर बायो-ट्वायलेटस की सफाई की गई, सभी कोचिंग डिपो से कचरों को हटाया गया तथा सफाई की गई, यात्री सुविधाओं से सम्बन्धित स्थानों जैसे वेटिंग हाल, वेटिंग रूम, टिकट वितरण हाल आदि की सफाई की गई तथा यात्रियों को स्वच्छता के लिये जागरूक किया गया।

संक्षिप्त खबरें

कैबिनेट ने बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल मोकामा-मुंगेर खंड के हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) पर निर्माण को मंजूरी दी है, जिसकी कुल लंबाई 82.4 किलोमीटर और कुल लागत 4447.38 करोड़ रुपये होगी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने आज बिहार के बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड मोकामा-मुंगेर खंड के हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) पर निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की कुल लंबाई 82.400 किलोमीटर होगी और इसकी कुल पूंजीगत लागत 4447.38 करोड़ रुपये होगी। यह खंड मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शहरों से होकर गुजरता है या उन्हें कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जैसा कि अनुलग्नक-कमें दिए गए मानचित्र में दर्शाया गया है। पूर्वी बिहार में मुंगेर-जमालपुर-भागलपुर क्षेत्र आयुध कारखाने (मौजूदा बंदूक कारखाना और रक्षा मंत्रालय द्वारा आयुध कारखाना गलियारे के हिस्से के रूप में प्रस्तावित एक और कारखाना), लोकोमोटिव वर्कशॉप (जमालपुर में), खाद्य प्रसंस्करण (जैसे, मुंगेर में आईटीसी) और संबंधित रसद एवं भंडारण केंद्रों के बल पर एक प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। भागलपुरी सिल्क (भागलपुर में प्रस्तावित वस्त्र इको-सिस्टम) की प्रमुखता के बीच भागलपुर वस्त्र और रसद केंद्र के रूप में उभर रहा है। वहीं बड़हिया खाद्य पैकेजिंग, प्रसंस्करण और कृषि-गोदाम के लिए एक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। इस क्षेत्र में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों से भविष्य में मोकामा-मुंगेर खंड पर माल ढुलाई और यातायात का विस्तार होने की उम्मीद है। टोल टैक्स की प्रणाली से युक्त 4-लेन एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर पर 100 किमी/घंटा की डिजाइन स्पीड के साथ वाहन की 80 किमी/घंटा की औसत गति को सपोर्ट करता है। इससे यात्रा में लगने वाला समय लगभग 1.5 घंटे तक कम हो जाएगा। साथ ही, यह यात्री और मालवाहक वाहनों, दोनों के लिए सुरक्षित, तेज और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। 82.40 किलोमीटर की प्रस्तावित परियोजना से लगभग 14.83 लाख मानव-दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार और 18.46 लाख मानव-दिवस का अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा। प्रस्तावित गलियारे के आसपास के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण यह परियोजना अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 09 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल व राजकीय रेलवे पुलिस पोस्ट कन्नौज की संयुक्त निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 14117 में घर से भागकर जा रहे 15, 15 व 16 वर्ष के 03 नाबालिग लड़कों को लावारिस हालत में पाकर कन्नौज पोस्ट पर लाया गया। उक्त तीनों लड़कों का थाना-चकोरी, जनपद-कानपुर नगर में मिसिंग की शिकायत पर थाने के उप निरीक्षक व तीनों लड़कों के परिजनों के उपस्थित होने पर उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। 09 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी सिटी को निगरानी के दौरान स्टेशन पर 12 वर्ष का एक नाबालिग लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड हेल्पलाइन, वाराणसी.को सुपुर्द किया गया। 09 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन पर 12 वर्ष का एक नाबालिग लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड हेल्पलाइन, गोरखपु? को सुपुर्द किया गया। मानवीय सहायता के अन्तर्गत 09 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा द्वारा निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15084 में यात्रा कर रहे एक यात्री की तबियत खराब होने पर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय, छपरा में भर्ती कराया गया तथा इसकी सूचना यात्री के परिजनों को दिया गया। 08 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15054 में यात्री का छूटा बैग व मोबाइल मिला, जिसे बलिया पोस्ट पर जमा किया गया। 09 सितम्बर, 2025 को यात्री के भाई के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग व मोबाइल सुपुर्द किया गया। 09 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15031 में महिला यात्री का छूटा मोबाइल मिला, जिसे गोमतीनगर पोस्ट पर जमा कराया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया।

जांच के लिए पहुंची टीम अस्पताल में ताला देख लौटी

बस्ती। बभनान। नगर पंचायत बभनान के लक्ष्मीबाई नगर वार्ड में सोमवार को निजी अस्पताल में ऑपरेशन के बाद प्रसूता के मौत मामले में गठित जांच टीम मंगलवार को अस्पताल पहुंची तो ताला लगा मिला। इससे जांच नहीं हो सकी और टीम बैरंग लौट गई। मामले में सीएचसी गौर की टीम जांच कर रही है।

कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 3,169 करोड़ रुपए की लागत से भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन खंड (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने आज बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट एकल रेलवे लाइन खंड (177 किमी) के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। इसकी कुल लागत लगभग 3,169 करोड़ रुपए है। इस बढ़ी हुई लाइन क्षमता से परिवहन में सुधार होगा जिससे भारतीय रेलवे की दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बढ़ेगी। इस मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी जिससे भारतीय रेलवे के इन सबसे व्यस्ततम खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास संभव होगा। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाएगा और उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा। ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई हैं जिनका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के साथ परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये परियोजनाएं रेल यातायात के साथ-साथ सामानों की ढुलाई के लिए भी निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के पांच जिलों को कवर करने वाली इस परियोजना से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 177 किलोमीटर की वृद्धि होगी। यह परियोजना खंड, देवघर (बाबा बैद्यनाथ धाम), तारापीठ (शक्ति पीठ) आदि जैसे प्रमुख स्थलों को भी रेल संपर्क प्रदान करता है। मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 441 गांवों और 28.72 लाख आबादी तथा तीन आकांक्षी जिलों (बांका, गोड्डा और दुमका) तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। कोयला, सीमेंट, उर्वरक, ईंट और पत्थर आदि जैसी वस्तुओं की ढुलाई के लिए यह एक आवश्यक मार्ग है। इन क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 15 मिलियन टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे, पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक लागत, तेल आयात (5 करोड़ लीटर) और सीओ2 उत्सर्जन (24 करोड़ किलोग्राम) कम करने में मदद करेगा, जो एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

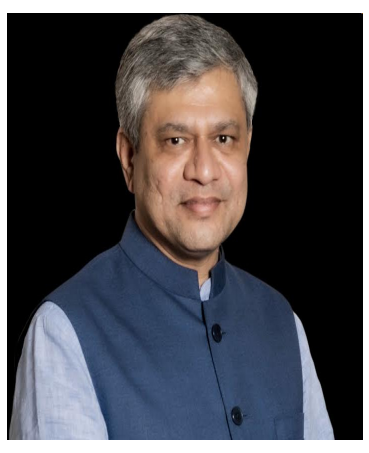

मिजोरम में रेल लाइन केवल यात्रा नहीं, समृद्धि भी

भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित मिजोरम की राजधानी आइजोल रेल नेटवर्क से जुड़ने का जश्न मना रहा है। बइरबी-सायरंग रेल लाइन बिछा दी गई है, जो इस ऐतिहासिक बदलाव की गवाह बनेगी। यह लाइन असम-मिजोरम सीमा के पास स्थित बइरबी से शुरू होकर, राजधानी आइजोल से मात्र 18 कि.मी.दूर बसे छोटे नगर सायरंग तक पहुँचती है। 51.38 कि.मी.लंबी यह नई रेल लाइन घने बाँस के जंगलों, गहरी घाटियों और खड़ी पहाड़ियों से गुजरते हुए लुशाई (मिजो) पर्वतों से होकर निकलती है। 45 सुरंगों और 55 मुख्य ब्रिजों वाली इस रेल लाइन पर देश का दूसरा सबसे ऊँचा पियर ब्रिज बना है, जिसकी ऊँचाई 114 मीटर है, यानी कुतुब मीनार से भी अधिक ऊँचा। इसके साथ ही, शांत और सौम्य हवाओं वाली भूमि मिजोरम की राजधानी आइजोल अब राष्ट्रीय रेल ग्रिड से जुड़ गई है। प्रोजेक्ट को पूरा करना आसान नहीं था। दुर्गम स्थलाकृति, भूस्खलन और कठिन मॉनसून जैसी परिस्थितियों ने रेलवे की सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग क्षमता की परीक्षा ली। नई रेल लाइन मिजोरम के लोगों के जीवन को बदलने जा रही है। अब तक पहाड़ी भू-भाग के कारण आवागमन धीमा और कठिन था, जिससे यहाँ वस्तुएँ महँगी मिलती थीं और यात्राएँ लंबा समय लेती थीं। 51.38 कि.मी. लंबी इस लाइन के पूरा होने से कोलासिब जिले से आइजोल जिले तक की यात्रा का समय आधे से भी कम हो जाएगा। इसका अर्थ है कि सस्ती दरों पर आवश्यक वस्तुओं तक पहुँच आसान होगी, रोजगार और व्यापार के नए अवसर खुलेंगे। यह रेल लाइन उद्यमियों के लिए बड़े बाजारों तक पहुँच के नए रास्ते खोलेगी। आइजोल के लोग अब देश के प्रमुख शहरों तक सुगमता पूर्वक पहुंच सकेंगे। एवं त्योहारों पर उन्हें अपने घर आने-जाने में सुगमता होगी। प्रकृति और संस्कृति का कॉरिडोर यह रेल लाइन केवल परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि मिजोरम में विकास और संपर्क के नए दौर का नया अध्याय है। व्यापार और उद्योग के लिए भी यह रेल लाइन मददगार साबित होगी। यहाँ की हरियाली, घाटियाँ और पहाड़ियां दुनिया भर के सैलानियों को आकर्षित करेंगी। यहाँ की प्राकृतिक समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आत्मीय आतिथ्य और जीवंत परंपराओं से जुड़ने का अवसर सैलानियों को मिलेगा। मिजोरम की खूबसूरती इसके प्राकृतिक दृश्यों में निहित है- घने जंगल, लहरदार पहाड़, मनमोहक घाटियाँ और स्वच्छ जलधाराएँ व झरने। यही कारण है कि इसे लैंड ऑफ द हाईलैंडर्स और लैंड ऑफ द ब्लू माउंटेन्स कहा जाता है। यह राज्य एक इकोलॉजिकल हॉटस्पॉट है, जहाँ अनोखी वनस्पतियाँ और जीव पाए जाते हैं। यहाँ की आदिवासी संस्कृति अपने संगीत, नृत्य और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही, मिजोरम अब एडवेंचर पर्यटन का उभरता हुआ गंतव्य भी बन रहा है। अगस्त 2025 में मिजोरम सरकार और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) के बीच इस रेल संपर्क के पर्यटन-संभावनाओं को साकार करने के लिए दो वर्ष का समझौता हुआ। इसमें पर्यटन पैकेजों को राज्य की पर्यटन अवसंरचना से जोड़ने पर बल दिया गया है। आईआरसीटीसी ने ह्यडिस्कवर नॉर्थ ईस्ट बियोंड गुवाहाटीह्ल पहल के तहत विशेष पर्यटक ट्रेनों का संचालन करने की योजना बनाई है, ताकि किफायती, सतत और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन मॉडल विकसित किया जा सके। जियो स्ट्रेटजिक ब्रिज मिजोरम राज्य बांग्लादेश और म्यांमार, दोनों की सीमाओं को साझा करता है। यही कारण है कि यह भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी और नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी का केंद्र बिंदु है। रेल संपर्क का अर्थ है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों तरह का व्यापार तेजी से बढ़ेगा। नियोजित रेल और सड़क नेटवर्क का विस्तार मिजोरम को भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एक प्रमुख परिवहन केंद्र बना सकता है। यह विशेष रूप से वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण है। परिवर्तन की लहर आर्थिक और लॉजिस्टिक दृष्टि से हटकर देखें, तो आइजोल में रेल लाइन एक भावनात्मक जुड़ाव की उपलब्धि भी है। मिजोरम के लोगों के लिए यह इस बात की पुष्टि है कि वे देश का अहम हिस्सा हैं और भारत की आकांक्षाओं के केंद्र में हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन की जाने वाली इस नई रेल कनेक्टिविटी के साथ, मिजोरम केवल एक रेलवे परियोजना के पूर्ण होने का अवसर ही नहीं, बल्कि एक लंबे समय से संजोए गए सपने के साकार होने का उत्सव मना रहा है। यह इस सच्चाई का प्रमाण है कि कोई भी भू-भाग इतना कठिन नहीं है और कोई भी लक्ष्य इतना बड़ा नहीं है कि समर्पण और दृढ़संकल्प के साथ हासिल न किया जा सके।

2025 दिन सोमवार को 10 फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग पर 09111/09112 बड़ोदरा-गोरखपुर-बड़ोदरा साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन बड़ोदरा से 27 सितम्बर, 04, 11, 18, 25 अक्टूबर तथा 01, 08, 15, 22 तथा 29 नवम्बर,2025 दिन शनिवार को तथा गोरखपुर से 29 सितम्बर, 06, 13, 20, 27 अक्टूबर, 03, 10, 17, 24 नवम्बर एवं 01 दिसम्बर,2025 दिन सोमवार को 10 फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा।

09111 बड़ोदरा-गोरखपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 27 सितम्बर, 04, 11, 18, 25 अक्टूबर तथा 01, 08, 15, 22 तथा 29 नवम्बर,2025 दिन शनिवार को बड़ोदरा से 19.00 बजे प्रस्थान कर गोधरा से 20.10 बजे, रतलाम से 22.45 बजे, दूसरे दिन कोटा से 02.10 बजे, गंगापुर सिटी से 04.55 बजे, भरतपुर से 06.10 बजे, ईदगाह से 07.45 बजे, टुण्डला से 09.25 बजे, शिकोहाबाद से 10.02 बजे, मैनपुरी जं. 11.05 बजे, फरूर्खाबाद से 12.50 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 16.20 बजे, मानकनगर से 17.30 बजे, बादशाहनगर से 17.52 बजे, बाराबंकी से 19.15 बजे, गोण्डा से 20.40 बजे तथा बस्ती से 22.10 बजे छूटकर गोरखपुर 23.30 बजे पहुंचेगी।

वापसी यात्रा में 09112 गोरखपुर-बड़ोहरा साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 29 सितम्बर, 06, 13, 20, 27 अक्टूबर, 03, 10, 17, 24 नवम्बर एवं 01 दिसम्बर,2025 दिन सोमवार को गोरखपुर से 05.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती से 06.07 बजे, गोण्डा से 07.30 बजे, बाराबंकी से 09.00 बजे, बादशाहनगर से 10.02 बजे, मानकनगर से 10.35 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 12.25 बजे, फरूर्खाबाद से 15.10 बजे, मैनपुरी 16.37 बजे, शिकोहाबाद से 17.49 बजे, टुण्डला से 19.05 बजे, ईदगाह से 20.05 बजे, भरतपुर से 21.22 बजे, गंगापुर सिटी से 22.33 बजे, दूसरे दिन कोटा से 00.35 बजे, रतलाम से 04.05 बजे तथा गोधरा से 06.15 बजे छूटकर वड़ोदरा से 08.00 बजे पहुंचेगी।

इस गाड़ी में वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 06, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, जनरेटर सह लगेज यान का 01 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित 21 कोच लगाये जायेंगे।

मास्टरमाइंड राम खिलावन बना गैंग लीडर गैंग में 14 सदस्य

कानपुर। स्टाफ ऑफिसर राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि यह गिरोह संगठित तरीके से अपराध करता है। जमीन और संपत्ति के कब्जे के लिए मारपीट और हत्या तक करा चुका है। कानपुर समेत आसपास के जनपदों में भी सक्रिय है। कानपुर कमिश्नरी पुलिस ने डरा धमका, कूटरचित दस्तावेजों से फर्जी रजिस्ट्री कराकर, संपत्ति कब्जाने, मारपीट करने और हत्या कराने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड रामखिलावन और 13 अन्य सदस्यों पर गैंगस्टर लगाया है। राम खिलावन को गैंग लीडर बनाया गया है। इसमें मास्टरमाइंड राम खिलावन समेत चार सदस्य जेल में और 10 बाहर हैं। गैंग को इंटर रेंज 10 नंबर दिया गया है। यह कार्रवाई मंगलवार की शाम को हुई। स्टाफ ऑफिसर राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि यह गिरोह संगठित तरीके से अपराध करता है। जमीन और संपत्ति के कब्जे के लिए मारपीट और हत्या तक करा चुका है। कानपुर समेत आसपास के जनपदों में भी सक्रिय है। रामखिलावन के खिलाफ सोमवार को भी दीनू गैंग से संपर्क रखने पर गैंगस्टर की कार्रवाई हुई है। जेल में निरुद्ध नवाबगंज के परमियापुरवा निवासी रामखिलावन (गैंग लीडर), लाल बंगला निवासी सुषमा अवस्थी, लाल बंगला निवासी मनोज कुमार अवस्थी, परमियापुरवा निवासी सुधीर कुमार मिश्रा। सदस्य अभी बाहर नवाबगंज का आजादनगर निवासी मनोज उर्फ लाला, नवाबगंज के भोपालपुरवा का आलोक, पनकी रतनपुर का नितेश, सीएसए कैंपस निवासी राजेश, आजादनगर का शमशाद आलम, फजलगंज का धर्मेंद्र कुमार वर्मा, फरुर्खाबाद के मुहम्मदाबाद का डॉ. सुबोध दीक्षित, चौबेपुर निवासी दिलनियाज उर्फ रेहान, चौबेपुर बूढ़नपुर का रोहित यादव, बिठूर क्षेत्र का अंकित यादव। दीनू गिरोह में भी रामखिलावन का नाम रामखिलावन का अपना गैंग हो गया है, लेकिन उसका नाम पुलिस ने दीनू गैंग से भी जोड़ दिया है। जमीन और संपत्ति के खेल में दीनू के इशारे पर कार्य करता था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक दोनों ही गैंग अलग अलग हैं जबकि दीनू के साथ मिलकर कई कार्य किए हैं। अब अगर आरोपियों के नाम बढ़ते हैं तो गिरोह के सदस्यों की संख्या भी बढ़ जाएगी।

बाइकों की भिड़ंत, प्रतापगढ़ में तैनात एसआई की मौत

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में सड़क हादसे में एसआई की मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। कोतवाली क्षेत्र की पुलिस ने शव को पास्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र के नरथुआं-उगापुर पेट्रोल पंप के पास बुधवार को दोपहर में बाइकों की टक्कर में उप निरीक्षक राजन बिंद 32 निवासी हीरापुर की मौत हो गई। वह प्रतापगढ़ में उप निरीक्षक पद पर तैनात थे। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सीसीटीवी के फुटेज से बाइक सवार की तलाश में जुट गई है। औराई के हीरापुर उगापुर गांव निवासी राजन बिंद प्रतापगढ़ में उप निरीक्षक पद पर तैनात थे। वह अपनी दादी की तेरहवीं में शामिल होने के लिए चार दिन पूर्व घर आए थे। बुधवार को औराई किसी काम के लिए गए थे। वहां से वापस लौटते समय जैसे ही नरथुआ पेट्रोल पंप के सामने बाइक से सड़क पार होने लगे उसी दौरान विपरित दिशा से तेज रफ्तार से आ रही एक बाईक ने टक्कर मार दिया जिससे वह सड़क पर गिर पड़े तो वहीं दूसरी बाइक रौंदते हुए आगे निकल गई। घटना के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। आनन-फानन में उन्हें एक अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परसा जाफर में दिनदहाड़े दरवाजा तोड़कर चोरी

बस्ती। बेखौफ चोरों ने पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र के परसा जाफर चौराहे से सोनहटी जाने वाले मार्ग पर स्थित एक घर को मंगलवार को दिन-दहाड़े खंगाल डाला। दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे चोर जेवरात व नगदी लेकर चंपत हो गए। वहां के बाबूलाल प्रजापति रोजीरोटी के लिए मुम्बई में रहकर काम करते हैं। गांव में उनकी पत्नी संगीता और तीन बच्चों के साथ रहते हैं। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह बच्चे स्कूल व अन्य कार्य से बाहर गए थे। संगीता भी कुछ काम से आधे घंटे के लिए बाहर चली गईं। जाने से पहले ताला लगाया था। वापस करीब पौने 11 लौटने पर घटना की जानकारी हुई। संगीता के मुताबिक चोरों ने लोहे के सब्बल से दरवाजा तोड़ा और घर के अंदर घुस गए। अलमारी व बक्से को तोड़कर उसमें रखी सोने की तीन अंगूठी, पायल, नथिया, टीका, मोबाइल, मंगलसूत्र और 45 हजार नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना पाकर थानाध्यक्ष पुरानी बस्ती महेश सिंह, चौकी प्रभारी हड़िया व डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-टेली/टेंडर/02/2025-26
कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में तीन वर्षों के लिए जीपीएस आधारित डिजिटल घड़ी (माडेल: पार्ट्रोनिक्स) की मरम्मत और व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (ए.एम.सी) का कार्य।
अनुमानित लागत	रु. 32,05,174.20/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु. 64,100.00/-
कार्य पूरा करने की अवधि	03 वर्ष
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	29.09.2025 15:30 बजे तक
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/ उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है • मैनुउल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं.– 106–टेली/टेंडर/02/2025–26 दिनांक 06.09.2025 2730/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विश्व चैंपियन डी गुकेश को मिली लगातार दूसरी हार, महिलाओं के वर्ग में वैशाली की बढ़त बरकरार

गुकेश की यह लगातार दूसरी हार है क्योंकि इससे पहले वह पिछले दौर में अमेरिका के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा से भी हार गए थे। विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूनार्मेंट के छठे दौर में भी लय हासिल नहीं कर सके और उन्हें ग्रीस के निकोलस थियोडोरो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। गुकेश की यह लगातार दूसरी हार है क्योंकि इससे पहले वह पिछले दौर में अमेरिका के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा से भी हार गए थे। गुकेश को प्रतियोगिता में बने रहने के लिए बाकी बची पांच बाजियों में से कम से कम चार जीतनी होंगी। मामेदोव के डिफेंस को नहीं भेद सके प्रज्ञानंद शीर्ष बोर्ड पर अर्जुन एरिगेसी को काले मोहरों से खेलते हुए शीर्ष पर चल रहे ईरान के परम मघसूदलू को रोकने में कोई परेशानी नहीं हुई। हालांकि मघसूदलू छह बाजियों में पांच अंक के साथ एकल बढ़त बनाए हुए हैं। एरिगेसी उनसे आधा अंक पीछे हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वाँ दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

दीक्षान्त केवल डिग्री का अवसर नहीं जीवन की नई जिम्मेदारियों की शुरूआत है: योगेंद्र

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वाँ दीक्षान्त समारोह बुधवार को कला संकाय प्रांगण में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने की। इस अवसर पर वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद सीएसआईआर के पूर्व महानिदेशक डॉ. शेखर सी. माण्डे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय अति विशिष्ट अतिथि और उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि लखनऊ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का नगर ही नहीं बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में गौरवपूर्ण परंपरा रखता है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने उपलब्धियों से प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने उपाधि, पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, उनके माता-पिता, गुरुओं को बधाई देते हुए कहा कि सफलता उनके सामूहिक परिश्रम का परिणाम है। दीक्षान्त केवल डिग्री प्राप्ति का अवसर नहीं बल्कि जीवन की नई जिम्मेदारियों का आरंभ है। विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वहन करना होगा। श्री उपाध्याय ने कहा कि उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। राज्यपालआनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में प्रदेश के विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट स्थान प्राप्त हुआ है। कई विश्वविद्यालयों को ए प्लस और ए डबल प्लस ग्रेडिंग मिली है तथा एनआईआरएफ रैंकिंग में भी प्रदेश के विश्वविद्यालय लगातार ऊपर आ रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि यह लक्ष्य तभी संभव होगा जब युवा पीढ़ी शिक्षा के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े और राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय योगदान दे।उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उपाधि और पदक प्राप्त करना जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है। इसका सही उपयोग समाज और राष्ट्रहित में करना ही विद्यार्थियों की वास्तविक सफलता होगी। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका होगी। उत्तर प्रदेश शिक्षा का केंद्र बन रहा है और यहाँ बड़ी संख्या में विदेशी विद्यार्थी भी अध्ययन के लिए आ रहे हैं। राज्यपाल के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालयों को सशक्त किया जा रहा है बल्कि आंगनबाड़ी केंद्रों की गुणवत्ता भी बेहतर की जा रही है ताकि शिक्षा की मजबूत नींव जमीनी स्तर से तैयार हो सके। जैसे एक दीपक अपने प्रकाश से अंधकार को समाप्त करता है।

राहुल गांधी के काफिले पर भाजपा ने किया हमला, गाड़ी रोक रास्ते में धरने पर बैठे दिनेश प्रताप सिंह

लखनऊ (संवाददाता)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बुधवार को लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे, जहां पर उनका कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा मोना ने स्वागत किया। इसके बाद राहुल गांधी एयरपोर्ट से सीधे रायबरेली के लिए रवाना हो गए। इस दौरान योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने उनका विरोध किया। उनके कार्यकताओं ने विरोध में नारे लगाए। जिस रास्ते से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का काफिला जा रहा था, वहां मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने समर्थकों के साथ राहुल गांधी का विरोध किया और नारे लगाए। वह थोड़ी देर बाद वहीं धरने पर बैठ गए। बता दें दिनेश सिंह को राहुल गांधी ने 4 लाख वोटों से हराया था। विरोध-प्रदर्शन के चलते राहुल गांधी का काफिला करीब एक किलोमीटर पहले ही रोक दिया गया। इस दौरान जब पुलिस मंत्री को हटाने पहुंची तो भाजपा कार्यकताओं के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। इसके पहले हरचंदपुर में राहुल गांधी का काफिला पहुंचा। यहां राहुल गांधी ने गाड़ी रुकवाकर लोगों से मुलाकात की। इस दौरान सपा नेता भी राहुल गांधी से मिलने को उत्साहित दिखे। हरचंदपुर के सपा के ब्लॉक अध्यक्ष ने राहुल गांधी से मुलाकात कर अपने कार्यकताओं से भी उनकी भेंट करवाई। इसके पहले बछरावां में उनका स्वागत किया गया। कार्यकताओं ने नारे लगाए। थोड़ी देर रुकने के बाद उनका काफिला रवाना हो गया। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि राहुल गांधी 10 और 11 सितंबर को रायबरेली में रहेंगे। इस दौरान वे बूथ स्तर के कार्यकताओं से मुलाकात करेंगे, प्रशासन की दिशा बैठक में भाग लेंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में भी जाएंगे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के रायबरेली दौरे से पहले शहर में उनके पोस्टर चर्चा का विषय बने रहे। पोस्टर में राजद नेता तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, और सपा मुखिया अखिलेश यादव को भगवान का दर्जा दिया गया। पोस्टर में लिखा था, इंडिया की अंतिम आस, कलयुग के ब्रह्मा, विष्णु, महेश। सपा नेता राहुल निर्मल बागी ने पोस्टर लगवाए हैं। इस पोस्टर से राजनीति भी गरमा गई। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता आनंद दुबे ने पोस्टर पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव राजनीति के इच्छाधारी हिंदू हैं, जो चुनाव आते ही अपना रूप और रंग बदल लेते हैं।

नेपाल के घटनाक्रम पर ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट की प्रतिक्रिया

लखनऊ (संवाददाता)। नेपाल की जनता ने मीडिया प्रतिबंध और सत्ता के शीर्ष पर बैठे हुए प्रधानमंत्री समेत मंत्रियों और विपक्ष की राजनीतिक ताकतों पर जिस तरह से अपने विक्षोभ को व्यक्त किया है, उससे यह लगता है कि वहां की जनता गहरे आर्थिक संकट के दौर से गुजर रही है। बेकारी, महंगाई और भाई-भतीजावाद से त्रस्त जनता पर पहले दिन सरकार द्वारा जिस तरह से गोली चलवाई गई वह नेपाल के इतिहास में पहली बार घटित हुआ है। यहां तक कि माओवादियों द्वारा चलाए गए जन युद्ध में भी इस तरह सरकार द्वारा आंदोलनकारियों की सामूहिक हत्या नहीं की गई थी। 8 सितंबर 2025 को चली गोली से मारे गए नौजवानों और नागरिकों की हत्या पर ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट गहरी संवेदना व्यक्त करता है। एआईपीएफ नेपाल की जनता से यह अपेक्षा करता है कि वह अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता और शांति बनाए रखेगी और लोकतांत्रिक व्यवस्था निर्माण के जिन कार्यभारों को इन सरकारों ने छोड़ दिया था उसे आगे बढ़ाएगी। एआईपीएफ यह भी अपेक्षा करता है कि नेपाली जनता किसी भी तरह की विदेशी ताकतों को दखल की इजाजत नहीं देगी।

सतीश महाना बने सीपीए इंडिया रीजन कार्यकारी समिति के सदस्य

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना को पुनः कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन सीपीए इंडिया रीजन कार्यकारी समिति का सदस्य नामित किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा उन्हें वर्ष 2025 से 2028 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए इस समिति में नामित किया गया है।सीपीए विश्व के सर्वाधिक प्रतिष्ठित संसदीय संगठनों में से एक है, जिसका उद्देश्य संसदीय लोकतंत्र को सुदृढ़ करना और सदस्य देशों की विधानसभाओं के मध्य संवाद एवं सहयोग को बढ़ावा देना है। सीपीए इंडिया रीजन की कार्यकारी समिति में चयनित होना उत्तर प्रदेश विधान सभा और राज्य की गौरवपूर्ण उपलब्धि है।सीपीए इंडिया रीजन की 11वीं कॉन्फ्रेंस 11 से 13 सितम्बर तक बेंगलुरु, कर्नाटक में होने जा रही है। इस दौरान कार्यकारी समिति की महत्वपूर्ण बैठक 11 सितम्बर को अपराह्न 3.30 बजे, बेंगलुरु में संपन्न होगी। सतीश महाना बैठक में उत्तर प्रदेश विधान सभा की ओर से सक्रिय सहभाग करेंगे और प्रदेश विधान सभा की गरिमामयी परंपरा एवं दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करेंगे। अध्यक्ष क पुनः नामित होना न केवल उनके अनुभवी एवं प्रभावी नेतृत्व का परिचायक है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि उनके मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश विधान सभा ने संसदीय मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपराओं को सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।श्री महाना का राजनीतिक एवं संसदीय जीवन अनुकरणीय रहा है। वे लगातार आठ बार विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। विभिन्न संसदीय समितियों तथा मंत्रिमंडल में महत्त्वपूर्ण दायित्व निभा चुके हैं। विधानसभा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने सदन की कार्यवाही को अधिक पारदर्शी, सुचारु और संवादपरक बनाने के लिए अनेक नवाचार किए हैं। जनता से सीधा जुड़ाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति आस्था और निरंतर सक्रियता उनकी विशेष पहचान है। यही कारण है कि राष्ट्रीय स्तर पर भी उन्हें सम्मानित जिम्मेदारियों के लिए चुना जाता रहा है।

बॉस की पत्नी से था एजेंट का अफेयर, पुलिस ने कंपनी के मालिक को पकड़ा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 26 साल के रिकवरी एजेंट कुणाल शुक्ला की हत्या अफेयर के चलते की गई। पुलिस सूत्रों से पता चला कि कुणाल का उसके बॉस की पत्नी के साथ अफेयर था। उसकी कुछ तस्वीरें भी मिली हैं, जिसमें वह एक-दूसरे को बर्थडे पर केक खिला रहे हैं। कुणाल की शादी भी नहीं हुई थी। इसी वजह से कंपनी के मालिक ने कुणाल की हत्या की प्लानिंग की। उसे पत्नी और कुणाल के बीच में अवैध संबंध का शक था। हालांकि पुलिस ने अभी तक पूरे मामले का खुलासा नहीं किया है। वह शाम को इसको लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाली है। जिसमें हत्यारोपी के बारे में जानकारी दी जाएगी। मृतक कुणाल का शव मंगलवार सुबह बंथरा इलाके में स्वास्तिक फाइनेंस के ऑफिस में मिला था। उसका सिर ईंट से कूच दिया गया था, आंखें फोड़ दी गई थीं। हत्यारों ने सीसीटीवी कैमरे तोड़कर डीवीआर उठा ले गए थे। कुणाल का मोबाइल भी उठा ले गए थे। दरअसल, कुणाल ज्यादातर समय ऑफिस में ही रहता था। रात में भी वहीं रुकता था। लोगों के मुताबिक उसकी आसपास के थानों में भी अच्छी पकड़ थी। अक्सर पुलिसकर्मी उसके ऑफिस पर बैठा करते थे। हालांकि, उसकी हत्या का कारण जानने के लिए पुलिस 4 टीमें लगी हैं। मृतक के भाई ने अज्ञात के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि कुणाल की हत्या किसी बेहद करीबियों ने की है। हत्यारे ऑफिस की बनावट और हर गतिविधि से पूरी तरह वाकिफ थे। इसीलिए आराम से हत्या के बाद उन्होंने ऑफिस में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए और डीवीआर भी उठा ले गए। इसके साथ ही उसके शव को देखकर लगता है किसी ने कई बार उसके चेहरे पर भारी चीज से वार किया है, हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही चोट का विवरण और मौत के कारण का पता चलेगा। पुलिस कंपनी मालिक विवेक सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने चार टीमें गठित की हैं, जो हत्या के पीछे पैसे के लेन-देन, प्रेम संबंधों और आपसी रंजिश जैसे तमाम एंगल पर काम कर रही हैं। परिजनों ने भी इस मामले में शक जताया है कि कुणाल का ऑफिस के ही कुछ लोगों से 2 लाख रुपए को लेकर विवाद चल रहा था। दादूपुर में स्थित स्वास्तिक एसोसिएट नामक ऑफिस में कुणाल बतौर रिकवरी एजेंट काम करता था। इस ऑफिस के मालिक विवेक सिंह है, जो पहले हत्या के एक केस में जेल जा चुका है। पुलिस इस पहलू को भी गंभीरता से खंगाल रही है। कुणाल विवेक सिंह के साथ उन गाड़ियों की रिकवरी का काम करता था, जिनकी फाइनेंस की गई किस्तें लोग नहीं चुका पाते थे। भाई सौरभ शुक्ला ने बताया कुणाल कई बार ऑफिस में ही रुक जाता था। यहां वह दरवाजा बंद करके अंदर सोता था, लेकिन आज सुबह जब संगम थारू ऑफिस की सफाई करने पहुंची तो दरवाजा खुला मिला। कुणाल का शव कमरे के अन्दर दीवान पर पड़ा था। उसका मुंह और आंखें कूची गई थीं। फर्श पर काफी खून फैला पड़ा था। कमरे की छत में भी काफी तादाद में खून की छींटे पड़ी थीं। उसका ऑफिस में किसी से 2 लाख रुपए को लेकर विवाद चल रहा था। 10 दिनों पहले उसका फोन चोरी हो गया था। उसके बाद उसने नया फोन लिया था। भाई सौरभ ने बताया कि वह अमेजॉन कंपनी में काम करता था। कुछ दिनों पहले कंपनी से उनका करार खत्म हुआ था।

पंजाब भेजा गया राहत सामग्री,मदरसे के बच्चों ने पॉकेट मनी और शिक्षकों ने एक दिन का वेतन दान किया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बुधवार को इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में दारुल उलूम फरंगी महल के छात्रों ने पॉकेट मनी दान किया। पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए मदरसे के बच्चों दान पेटी में पैसे डाले। इस अवसर पर इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली और सिख समुदाय के लोग मौजूद रहे। बच्चों के साथ मदरसे के अध्यापकों ने भी अपनी एक दिन की तनख्वाह दान में दे दी। मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने छात्रों और शिक्षकों की इस कोशिश की तारीफ किया। उन्होंने कहा कि पैगम्बर मोहम्मद साहब ने कहा कि तुम जमीन वालों पर रहम करो, आसमान वाला तुम पर रहम करेगा। इसी भावना के साथ हमें बाढ़ से प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि 2018 में यूपी और केरल में आई बाढ़ के दौरान टीम लखनऊ नाम से एक समूह बनाया गया था। जिसमें अलग-अलग धर्मों की प्रमुख हस्तियाँ शामिल थीं और राहत सामग्री भेजा गया था। पंजाब के लिए भी श्टीम लखनऊश को ये जिम्मेदारी सौंपा गया है। पूरी कोशिश है है जरूरतमंदों तक मदद पहुँच सके। टीम लखनऊ के जिम्मेदार मुरलीधर आहूजा और मुर्तजा अली ने जानकारी दी कि राहत सामग्री जमा करने के लिए 16 सेंटर बनाए गए हैं। सभी जगह से राहत सामग्री जमकर कर पंजाब लेकर जाएंगे। हमारा प्रयास है कि भारत में कहीं भी अगर मुसीबत आए तो हमें धर्म जाति से उठकर मदद करना चाहिए, मानवता सबसे बड़ा धर्म है । इस कार्यक्रम में मौलाना सुफयान निजामी, निकहत खघन, जसबीर सिंह गांधी, अब्दुल वहीद, मोहम्मद जुबैर, अदनान खघन, वामिक खघन, पीसी कुरेल समेत कई धर्म गुरु और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा कार्यकताओं ने नारे लगाए-वोट चोर गद्दी छोड़,विधान भवन के सामने पुलिस से झड़प

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सपा कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया। एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन जांच) और वोट चोरी के मुद्दे पर जीपीओ से विधानभवन की ओर मार्च के दौरान पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इससे नाराज सपा कार्यकताओं की पुलिस से नोकझोंक हो गई। सपा नेता समयून खान ने कहा सरकार संविधान की हत्या करना चाहती है। एसआईआर के नाम पर आम नागरिकों से वोटिंग का अधिकार छीना जा रहा है। कार्यकताओं ने वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा लगाया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच में काफी देर तक संघर्ष हुआ। प्रदर्शन कर रही सपा नेता समयून खान ने कहा बिहार में चुनाव से ठीक पहले एसआईआर करवाया जा रहा है। वह भी जब बिहार बाढ़ में डूबा है। विपक्ष के नेताओं ने वोट चोरी के प्रमाण भी दिया। उसके बाद भी निर्वाचन आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा लोकतंत्र में वोट चोरी सबसे बड़ा अपराध है। यह आम जनता के भरोसे की हत्या है, जिसे सत्ता में बैठे हुए लोग लगातार कर रहे हैं। हम लोग सदन से लेकर सड़क तक लड़ाई लड़ रहे हैं। लड़ते रहेंगे। सत्ता वाले कितना भी दबाव बना लें। हम लोग पीछे हटने वाले नहीं। चुनाव आयोग सत्तापक्ष के लिए काम कर रहा है। राजवीर ने कहा एसआईआर के माध्यम से वोट काटे जा रहे हैं। पहले बिहार में प्रत्येक बूथ से लाखों वोट कटे। अब उत्तर प्रदेश की बारी है। यहां भी वोट काटने की तैयारी चल रही है। हम लोग लगातार ये लड़ाई लड़ रहे हैं। संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा सरकार हर मुद्दे पर विफल है। तानाशाही कर रही है। शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाएं देने में विफल है। सरकार को आम जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। बल्कि ऐसे काम कर रह है, जिससे लोगों की परेशानियों बढ़ रही है।

पंडित गोविंद बल्लभ एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे: केशव

लखनऊ (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, स्वतंत्र भारत के उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री, भारत के पूर्व गृहमंत्री, भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 138वीं जयंती पर लोकभवन स्थित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।भारत माता के महान सपूत को समाज और राष्ट्र के लिए किए गए उनके योगदान के लिए स्मरण करते हुए प्रदेशवासियों की तरफ से अर्पित की विनम्र श्रद्धांजलि है। उन्होंने स्वाधीनता आंदोलन में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और आजादी के बाद उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री बने। उन्होंने प्रदेश की तरक्की के लिए उन्होंने विकास का माडल देने का प्रयास किया।पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने गृहमंत्री के रूप में देश की सेवा की। उन्होंने उत्तर प्रदेश को उस समय आगे बढने के लिए जो विकास का मॉडल देने का प्रयास किया था, उनके इस कृतित्व के लिए मैं उन्हें हृदय से नमन करता हूं। वही उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पंडित गोविन्द वल्लभ पन्त के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुये श्रद्धांजलि अर्पित की।

देश में धार्मिक यात्राओं पर जाने वालों की संख्या में तेजी

लखनऊ (संवाददाता)। देश में धार्मिक यात्राएं भारत की ट्रैवल और टूरिज्म इंडस्ट्री का एक तेजी से बढ़ता हुआ सेगमेंट बनकर उभर रहा हैं। मेकमाईट्रिप की पिलग्रिमेज ट्रैवल ट्रेंड्स 2024-25 के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में 56 प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों पर होटल और स्टे की बुकिंग में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इनमें से 34 गंतव्यों ने डबल-डिजिट ग्रोथ और 15 गंतव्यों ने 25 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की। यह दशार्ता है कि आध्यात्मिक यात्राएं अब यात्रा मांग की एक सशक्त प्रेरक शक्ति बन रही हैं। मेकमाईट्रिप के को-फाउंडर और ग्रुप सीईओ राजेश मागो ने पिलग्रिमेज ट्रैवल ट्रेंड्स 2024-25 पर टिप्पणी करते हुए कहा पिलग्रिमेज यात्रा हमेशा से हमारी संस्कृति का हिस्सा रही है, लेकिन आज इसकी सबसे बड़ी विशेषता है इसका विस्तार और लगातार बढ़ती मांग। बेहतर कनेक्टिविटी और हर उम्र व आय वर्ग के लोग पिलग्रिमेज-आधारित यात्राओं की योजना बना रहे हैं। यही बढ़ती मांग अब यात्रियों की उम्मीदों को और व्यापक बना रही है और यात्रा उद्योग को ऐसे नए समाधान अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है, जो खासतौर पर पिलग्रिमेज यात्रियों की जरूरतों को पूरा करें। प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), वाराणसी (उत्तर प्रदेश), अयोध्या (उत्तर प्रदेश), पुरी (ओडिशा), अमृतसर (पंजाब) और तिरुपति (आंध्र प्रदेश) जैसे प्रमुख स्थल आध्यात्मिक यात्राओं का केंद्र बने हुए हैं। साथ ही खाटूश्यामजी (राजस्थान), ओंकारेश्वर (मध्य प्रदेश) और तिरुचेंदूर (तमिलनाडु) जैसे स्थान भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, जो देश में आध्यात्मिक यात्राओं के फैलते दायरे को दशार्ता है। पिलग्रिमेज यात्राओं की बढ़ती मांग के साथ प्रमुख स्थलों पर होटलों और ठहरने की सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। ज्यादातर यात्री छोटी और जल्दी पूरी होने वाली यात्राओं को प्राथमिकता देते हैं, जिनमें आधे से अधिक लोग सिर्फ एक रात ठहरते हैं। वहीं प्रीमियम विकल्पों की मांग भी बढ़ रही है और 7,000 रुपये से अधिक की कीमत वाले कमरों की बुकिंग में 20प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। भारतीय यात्रियों में आखिरी समय पर बुकिंग करने की आदत स्पष्ट रूप से नजर आती है और पिलग्रिमेज यात्राएं भी इससे अलग नहीं हैं। जैसे घूमने-फिरने की छुट्टियां अक्सर यात्रा के करीब तय की जाती हैं, वैसे ही पिलग्रिमेज यात्राओं की 63प्रतिशत से अधिक बुकिंग प्रस्थान से 0-6 दिन पहले तक हो जाती है पिलग्रिमेज यात्राओं में ठहरने का पैटर्न छोटा और स्पष्ट नजर आ रहा है। आँकड़े बताते हैं कि आधे से अधिक यात्री (53प्रतिशत) केवल एक रात रुकते हैं, जबकि 31प्रतिशत यात्री दो रात और 11प्रतिशत यात्री तीन रात ठहरते हैं। चार रात या उससे अधिक रुकने वाले यात्रियों की संख्या 5प्रतिशत से भी कम है। पिलग्रिमेज यात्रा का सामूहिक स्वरूप भी साफ दिखता है। आंकड़े बताते हैं कि 47प्रतिशत पिलग्रिमेज यात्राएं समूह में की जाती हैं, जबकि लीजर यात्राओं में यह आंकड़ा केवल 38.9प्रतिशत है। यह दशार्ता है कि पिलग्रिमेज यात्रा प्रायः परिवार, मित्र और समुदाय के समूहों के साथ की जाती है, जिससे यह अनुभव और अधिक साझा और सामूहिक बन जाता है। हालांकि अधिकांश पिलग्रिमेज यात्रा बुकिंग (71प्रतिशत) 4,500 रुपये प्रति रात से कम कीमत वाले कमरों के लिए होती है, लेकिन प्रीमियम विकल्पों की मांग तेजी से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में 7,000-10,000 रुपये की कीमत वाले कमरों की बुकिंग में 24प्रतिशत और 10,000 रुपये से अधिक वाले कमरों की बुकिंग में 23प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके साथ ही होमस्टे और अपार्टमेंट जैसे वैकल्पिक आवास भी लोकप्रिय हो रहे हैं, जो कुल बुकिंग का लगभग 10प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। पिलग्रिमेज यात्रा पर्यटन ने होटलों और होमस्टे के विकास को दी रफ्तार रू पिछले तीन वर्षों में पिलग्रिमेज स्थलों पर आवास की उपलब्धता में तेज बढ़ोतरी हुई है। इन जगहों पर आज उपलब्ध एक-तिहाई से अधिक होटल के कमरे पिछले तीन वर्षों में ही खुले हैं। होमस्टे, अपार्टमेंट और हॉस्टल में तो और भी तेजी से वृद्धि हुई है। होमस्टे का विस्तार नए स्थानों को जोड़ने और पहले से मौजूद प्रॉपर्टीज के ऑनलाइन आने से हुआ है। इसी अवधि में उपलब्ध प्रीमियम कमरों का 63प्रतिशत हिस्सा भी लॉन्च हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

मुरादाबाद को मिला स्वच्छ वायु सर्वेक्षण अवॉर्ड

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले को बड़ी कामयाबी मिली है। मुरादाबाद शहर को स्वच्छ वायु सर्वेक्षण अवॉर्ड से नवाजा गया है। देश में मुरादाबाद अपनी कैटिगरी में नंबर 2 आया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने मुरादाबाद के मेयर और नगर आयुक्त आईएएस दिव्यांशु पटेल को अवार्ड और 25 लाख का चेक ईनाम में दिया। मुरादाबाद के नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने कहा कि मुरादाबाद नगर निगम को मिला यह सम्मान नगर की जनता के सहयोग का नतीजा है।सरकारी तंत्र तो सिर्फ जरिया है, असल जिम्मेदारी तो आमजन ही निभाते हैं। स्वच्छता अकेले किसी के बूते की बात नहीं है।जनता ऐसे ही सहयोग करेगी तो मुरादाबाद और खास मुकाम हासिल करेगा।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2025 में उत्तर प्रदेश की गूंज

लखनऊ (संवाददाता)। स्वच्छता सर्वेक्षण के बाद उत्तर प्रदेश ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देशभर में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। यह सर्वेक्षण पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम एनसीएपी के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें शहरों का मूल्यांकन वायु गुणवत्ता सुधार और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों के आधार पर किया गया। 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी के आगरा तीसरा स्थान,कानपुर पांचवां स्थान प्रयागराज सातवां स्थान वाराणसी 11वां स्थान गाजियाबाद 12वां स्थान लखनऊ को 15वां स्थान मिला। 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में झांसी और मुरादाबाद संयुक्त रूप से दूसरा स्थान गोरखपुर और फिरोजाबाद पांचवां स्थान बरेली को सातवां स्थान,3 लाख से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में अनपरा पांचवां स्थान रायबरेली सातवां स्थान गजरौला 23वां स्थान खुर्जा को 26वां स्थान प्राप्त हुआ है। इस शानदार उपलब्धि के लिए आगरा, झांसी और मुरादाबाद को भारत सरकार के पर्यावरण मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया और प्रत्येक शहर को 25 लाख की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई।नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने पुरस्कृत नगरों को बधाई दिया। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने कहा,ह्लस्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2025 में आगरा, झांसी, मुरादाबाद सहित हमारे शहरों का बेहतरीन प्रदर्शन राज्य की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह उपलब्धि न केवल हमारे पिछले प्रयासों की मान्यता है बल्कि आने वाले समय में और अधिक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ शहरों के निर्माण के संकल्प को भी मजबूत करती है।यह उपलब्धि न केवल नगर विकास विभाग की सक्रिय कार्यप्रणाली को दशार्ती है बल्कि नागरिकों और शहरी निकायों की सामूहिक जिम्मेदारी का प्रमाण भी है। उत्तर प्रदेश सतत, स्वच्छ और जलवायु-संवेदी शहरी विकास के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में लगातार नए आयाम स्थापित कर रहा है।

नगर पंचायत के पास पर्याप्त जमीन लेकिन बैकुंठ धाम के लिए नहीं

लखनऊ (संवाददाता)। जो जन्मा है, उसकी मृत्यु निश्चित है, चाहे वह राजा हो या रंक। उसके अंतिम संस्कार के लिए सार्वजनिक भूमि की आवश्यकता होती है। बाराबंकी के जिला मुख्यालय से सटी हुई नगर पंचायत बकी में सार्वजनिक बैकुंठ धाम यानि दाह संस्कार का कोई स्थान निश्चित नहीं है जबकि नगर पंचायत बंकी में 70 फीसदी हिंदू आबादी है। इसको लेकर समाजसेवी दिलीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से मिलकर एक मांग पत्र दिया था। डीएम ने जनसुनवाई पोर्टल में दर्ज कराते हुए 22 अगस्त को संदर्भ सं-20017625021661 के मांग पत्र को निस्तारण हेतु अधिशाषीअधिकारी नगर पंचायत बंकी को भेजा था किन्तु जनहित मे जायज समस्या का समाधान किये बिना 9 सितंबर को जनसुनवाई पोर्टल पर जिला अधिकारी को भेजी अपनी आख्या में कहा कि नगर पंचायत निकाय के पास पर्याप्त जमीन बैकुंठ धाम,दाह संस्कार के लिए उपलब्ध नही है, जहां सार्वजनिक बैकुंठ धाम बनाया जा सके। जबकि निकाय के सीमा बिस्तार में पशु चराचर एवं बंजर भूमि बाराबंकी देहात मे काफी है, जिसे चिह्नित कर सार्वजनिक बैकुंठ धाम बनाया जा सकता है। समाजसेवी ने मुख्यमंत्री को रजिस्टर डाक से मांग पत्र भेजकर नगर पंचायत बंकी में शीघ्र से शीघ्र हिंदुओं के लिए सार्वजनिक बैकुंठ धाम, दाह संस्कार स्थल के निर्माण की मांग की है।

एलयू के दीक्षांत समारोह में पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को मानद उपाधि, अरिंदम को चांसलर मेडल मिला

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू के 68वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने 201 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल दिए। इनमें 80ः मेडल्स छात्राओं को मिले। अरिंदम चतुर्वेदी को चांसलर मेडल और अवंतिका राय को वीसी गोल्ड मेडल मिला। कन्वोकेशन के दौरान 3 महीने पहले रिटायर हुए डीजीपी प्रशांत कुमार को मानद उपाधि दी गई। राज्यपाल ने कहा लखनऊ विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स इतने मेधावी हैं कि उन्हें मेडल देते-देते पसीना छूट गया। उन्होंने कहा कि अब 75 अटेंडेंस होने पर ही परीक्षा देने को मिलेगी। समारोह का आगाज करते हुए कुलपति मनुका खन्ना ने कहा लखनऊ विश्वविद्यालय निरंतर आगे बढ़ रहा है। 2025 में विदेश से एडमिशन के लिए 2 हजार 153 स्टूडेंट्स के आवेदन आए हैं। समारोह में 3 विदेशी स्टूडेंट्स को मेडल भी मिला है। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा- विश्वविद्यालय में कार्यक्रम होता है तो आंगनबाड़ी के बच्चे शामिल होते हैं। गवर्नर मैडम की मार्गदर्शन में यूनिवर्सिटी के साथ आंगनबाड़ी भी मजबूत हो रही हैं। शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय बोले आज ग्रेडिंग पाने वाले विश्वविद्यालयों में सबसे ज्यादा यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश की हैं। देश के टॉप 100 में यूपी के 3 विश्वविद्यालय हैं। समारोह के मुख्य अतिथि वैज्ञानिक शेखर सी. मांडे ने कहा- हमारे पूर्वजों ने नालेज के क्षेत्र में बहुत योगदान दिया है। हमें इसे आगे भी बढ़ाना होगा। उन्होंने स्टूडेंट्स को सफलता के सात सूत्र दिए।

एसटीएफ ने पकड़ा कछुआ तस्कर,कोलकाता से पार्सल के जरिए मंगवाकर नेपाल बॉर्डर पर बेचता था

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में एसटीएफ ने मंगलवार शाम हसनगंज थाना क्षेत्र के निराला नगर इलाके से कछुआ बेचने आए एक तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से विलुप्त प्राय प्रजाति का कछुआ बरामद हुआ। वन विभाग की टीम भी कार्रवाई में शामिल रही। एसटीएफ को पिछले कुछ दिनों से वन्यजीवों और उनके अंगों की तस्करी करने वाले गिरोह के सक्रिय होने की जानकारी मिल रही थी। इस वजह से एसटीएफ ने जाल बिछाया। मुखबिरों को सक्रिय किया। मुखबिर से सूचना मिली कि निराला नगर स्थित जेप्टो ऑफिस के सामने एक व्यक्ति कछुआ बेचने आया है। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी की पहचान कबाड़िया का पुरवा डालीगंज निवासी विशाल मिश्रा के रूप में हुई। उसने कबूला कि कछुए को वह कोलकाता से पार्सल के जरिए मंगवाता है। उन्हें नेपाल और बॉर्डर के जिलों में ऊंचे दामों पर बेचता है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। बरामद कछुआ अनुसूची-1 में दर्ज प्रजाति का है, जो विलुप्त प्राय हो चुका है।

सम्पादकीय

बेहाल नेपाल

नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन लगाने के बाद उग्र हुआ आंदोलन आखिरकार संवैधानिक संकट में बदल गया और सरकार गिरने का कारण बना। यहां तक कि मंत्रियों के बाद प्रधानमंत्री के.पी. ओली तक को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। उग्र युवाओं ने संसद, सुप्रीम कोर्ट, मंत्रियों के आवास व कुछ मीडिया हाउस को भी निशाना बनाया। भले ही तात्कालिक रूप से सोशल मीडिया पर बैन को हिंसा की वजह बताया जा रहा हो, लेकिन यह प्रतिक्रिया तात्कालिक नहीं थी। युवाओं की दशकों की हताशा और राजनीतिक कदाचार, काहिली व निरंकुशता के चलते गुस्सा नेपाल की सड़कों पर लावा बनकर फूटा है। नेपाल सरकार की सख्ती से आंदोलनकारियों के दमन ने आग में घी का काम किया। नेपाल की राजनीति में अवसरवाद व राजनीतिक अस्थिरता ने भी सरकारों के प्रति युवाओं के आक्रोश को बढ़ाया है। विडंबना देखिए कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं। बहरहाल इस हिंसक प्रतिकार में 19 से अधिक युवाओं को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। दरअसल, शुरूआत में सोशल मीडिया साइटों पर एक विवादास्पद प्रतिबंध ने युवा नेतृत्व वाले जेन-जेड समूह के गुस्से को भड़का दिया। यह समूह सत्ता के शीर्ष पदों पर कथित भ्रष्टाचार और उनकी संतानों के विलासी जीवन के खिलाफ अभियान चला रहा था। इस युवा ब्रिगेड ने लोकप्रिय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके दावा किया कि मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की संतानों की फिजूलखर्ची भरी जीवनशैली अवैध धन-दौलत की बदौलत है। इस पोल-खोल अभियान से घबरायी सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का असफल प्रयास किया। सरकार का यह दांव उस पर ही उलटा पड़ा और सरकार की ही विदाई हो गई। हालांकि, युवाओं का आक्रोश देखते हुए सरकार ने प्रतिबंध हटाने की घोषणा की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। वैसे इस आंदोलन के दौरान जिस तरह हिंसा, आगजनी व तोड़फोड़ हुई, वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जाएगी। युवाओं की हिंसक भीड़ ने मंगलवार को संसद, सर्वोच्च न्यायालय, राजनीतिक दलों के कार्यालयों और मंत्रियों के घरों को निशाना बनाया। दरअसल, आंदोलनकारी शासन व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते रहे हैं। उनकी मांग रही कि सोमवार को पुलिस गोलाबारी में हुई मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा दी जाए। अराजकता और अव्यवस्था के बीच, काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर, बालेन शाह, एक प्रभावशाली हितधारक के रूप में उभरे हैं। इस पैंतीस वर्षीय पूर्व रैपर ने भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करके जेन-जेड का विश्वास जीता है। उन्होंने संसद भंग करने की मांग की है। जिसके बाद सैन्य अधिकारियों और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत हुई। निस्संदेह, मौजूदा वक्त में सेना की बड़ी भूमिका होने के बाद अब उसके व सुरक्षा एजेंसियों के लिये तात्कालिक चुनौती अस्थिर स्थिति पर नियंत्रण और सामान्य स्थिति को बहाल करने की होगी। आने वाले दिनों में व्यवस्थागत सुधारों के रोडमैप पर चर्चा के साथ बातचीत के जरिये संकट का समाधान करना प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, ओली और उनके पूर्ववर्तियों की नीतियों की विफलता ने युवाओं में निराशा व मोहभंग को बढ़ावा दिया है। वहीं इस उथल-पुथल के मूल में नेपाली अर्थव्यवस्था का संकट भी है, जो पर्यटन और प्रवासी नागरिकों द्वारा भेजी जाने वाली रकम पर निर्भर रही है। विडंबना यह है कि इन दोनों स्रोतों में पिछले वर्षों में कमी आई है। बेरोजगारी दर का बीस फीसदी के आसपास होना युवाओं के आक्रोश को तार्किक बनाता है। दरअसल, सरकार युवाओं की उम्मीदों की कसौटी पर खरा उतरने में नाकाम ही रही है। आये दिन नेताओं द्वारा किए जाने वाले वायदों से खिन्न युवा धरातल पर बदलाव देखना चाहते हैं। बहरहाल, मौजूदा उथल-पुथल ने नेपाल को एक नई शुरूआत करने का अवसर जरूर दिया है। वहीं भारत के लिये भी यह सचेतक घटनाक्रम है कि उसके पड़ोस में श्रीलंका, बांग्लादेश के बाद नेपाल में जनाक्रोश में विदेशी जमीन से संचालित सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका रही है। युवाओं की आकांक्षाओं और रोजगार की चुनौती को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, सोशल मीडिया ने युवाओं की आकांक्षाओं को सातवें आसमान पर पहुंचाया है और हकीकत में हमारा धरातल खासा खुरदरा है।

नेपाल में फिर राजनैतिक उथल-पुथल

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के सरकार के फरमान के बाद युवाओं ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन शुरू किया, जिसने हिंसक रूप ले लिया और एक ही दिन में कम से कम 20 नौजवानों के मारे जाने की खबर है। कुछ समय पहले बांग्लादेश और श्रीलंका इन दो पड़ोसी देशों में आंदोलन हुए थे, जिसमें अराजक भीड़ ने राष्ट्रपति निवास को निशाना बनाकर तोड़-फोड़, लूटमार मचाई थी, अब वैसे ही दृश्य नेपाल से सामने आ रहे हैं। राजधानी काठमांडू समेत कई इलाकों में आगजनी, तोड़फोड़ और पथराव की घटनाएं हुई हैं। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के निजी आवास पर प्रदर्शनकारियों ने कब्जा कर तोड़फोड़ की और आग लगा दी। इसके अलावा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी के नेता रघुवीर महासेठ और माओवादी अध्यक्ष प्रचंड के घरों पर भी हमला हुआ। गृहमंत्री रमेश लेखक, कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी, स्वास्थ्य मंत्री समेत पांच मंत्री इस्तीफा दे चुके हैं। नेपाली सेना के प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल ने प्रधानमंत्री के पी ओली को सत्ता छोड़ने की सलाह दी थी, जिसके बाद मंगलवार दोपहर श्री ओली ने इस्तीफा दे दिया। वैसे इससे पहले उनके इलाज के लिए दुबई जाने की खबर थी। प्रधानमंत्री के अलावा राष्ट्रपति ने भी अपना पद छोड़ दिया है। गौरतलब है कि केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) नेपाली कांग्रेस के समर्थन से सत्ता में है, लेकिन अब नेपाली कांग्रेस की तरफ से भी सत्ता से अलग होने या अपनी सरकार बनाने का दावा करने के संकेत नहीं मिले हैं। इस बीच काठमांडू के मेयर बालेन शाह को सोशल मीडिया पर सत्ता संभालने के लिए कहा जा रहा है, जिनकी लोकप्रियता युवाओं के बीच तो है, लेकिन क्या नेपाल जैसे चुनौतियों से भरे देश को संभालने की क्षमता क्या उनमें होगी, यह बड़ा सवाल है। गौरतलब है कि 2008 में राजशाही के खात्मे के बाद से नेपाल लोकतंत्र को सुचारू करने के लिए जूझ रहा है। राजनैतिक अस्थिरता, मतलब के गठजोड़, सत्ता की चाहत यह सब नेपाल में लोकतंत्र को ठीक से जड़ पकड़ने नहीं दे रहे हैं। जिन लोगों के हाथों में भी सत्ता रही है, वे राजशाही का विरोध तो कर रहे हैं, लेकिन अपने नेतृत्व को भरोसेमंद नहीं बना पा रहे हैं। कमजोर अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार इन

सबसे जनता त्रस्त होती जा रही है। खासकर आज की पीढ़ी जिसे जेन-जी कहा जाता है, उसने राजशाही के दुष्प्रभाव नहीं देखे, लेकिन जिस लोकतांत्रिक सरकार को वह देख रही है, वो उसकी उम्मीदों पर पूरी नहीं उतरी है। इसलिए इस समय नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ युवाओं का गुस्सा सबसे अधिक फूटा है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध पर नाराजगी तो केवल आवरण है, उसके भीतर आम युवा के गुस्से का लावा उबल रहा है। इसलिए सरकार ने प्रतिबंध वापस ले लिए, फिर भी आंदोलन शांत नहीं हो रहा है। सोमवार से सोशल मीडिया पर हैशटैग नेपोकिड ट्रेंड में है। इस हैशगैट के साथ नेपाल के नौजवान अपने नेताओं के बच्चों की लग्जरी कारें, ब्रैंडेड कपड़े, महंगी घड़ियां और विदेशी दौरे के वीडियो और फोटो वायरल कर रहे हैं। इन नौजवान का संदेश है कि आम आदमी जिंदा रहने के लिए संघर्ष कर रहा है और नेताओं के बच्चे हर सुख-सुविधा भोग रहे हैं। सोमवार को जब नौजवान संसद परिसर तक में पहुँच गए थे, तो इनका नारा था- हमारे टैक्स और तुम्हारी रईसी। इस तरह के नारों से जाहिर है कि आज का युवा, जिसके पास सोशल मीडिया के जरिए पूरी दुनिया की खबरें पहुंचती हैं, वह अब सत्ता की मनमानी या दमन को अपनी किस्मत मानकर चुपचाप सहता नहीं है, बल्कि उसके खिलाफ आवाज उठाता है। इस तरह के लगभग नेतृत्व विहीन आंदोलनों का भविष्य क्या होता है, इनमें किस तरह की अराजकता फैलती है, राष्ट्र की सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं, ये सारी बातें चिंता की तो हैं, लेकिन इतिहास गवाह है कि इन चिंताओं की आड़ में युवा पीढ़ी के रोष को खारिज किया जाए तो इसके परिणाम और घातक हो सकते हैं। फिलहाल नेपाल का राजनैतिक भविष्य एक बार फिर डांवडोल दिख रहा है। बेशक प्रत्यक्ष तौर पर सोशल मीडिया प्रतिबंध और अप्रत्यक्ष तौर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन खड़ा हुआ और इसमें युवा ही आगे रहे, लेकिन इसके पीछे क्या वैश्विक ताकतों का भी हाथ है, इसका विश्लेषण भी होना चाहिए। नेपाल के साथ चीन जल्द ही 10 दिन का संयुक्त सैन्य अभ्यास करने जा रहा है। भारत की सीमा से लगे नेपाल में चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश तीनों की गतिविधियों पर खुफिया एजेंसियों की निगाहें बनी रहती हैं, क्योंकि अन्य सीमाओं की अपेक्षा नेपाली सीमा का इस्तेमाल इनके लिए आसान रहता है। नेपाल में एकदम से जो आंदोलन के जरिए हिंसा भड़की है और सरकार अस्थिर हुई है, उसकी टाइमिंग पर भी सवाल उठते हैं, क्योंकि इस समय बिहार में चुनाव की हलचल है। सीमांत प्रदेश होने के कारण नेपाल की घटनाओं का असर बिहार पर पड़ना स्वाभाविक है। इस बात को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है कि कहीं नेपाल के हालात का इस्तेमाल बिहार चुनाव को प्रभावित करने के लिए न किया जाए। भारतीय भोजन वैसे नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले की भारत के मीडिया में काफी आलोचना हुई। नेपाल को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी का पाठ कई नामचीन एंकरों ने पढ़ा दिया, लेकिन मणिपुर, जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में न जाने कितने बार, कितने-कितने दिनों के लिए इंटरनेट काटा गया, तब यहां के लोगों के अधिकार मीडिया को याद नहीं आए। खैर, फिलहाल नेपाल पर अतिरिक्त सावधानी से काम लेने की जरूरत है। श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान और अब नेपाल भारत से लगे तमाम देशों में जिस राजनैतिक अस्थिरता या सैन्य तंत्र के हावी होने का सिलसिला चल रहा है, वो याद दिलाता है कि आजाद होते साथ जो मजबूत लोकतंत्र देश को मिला, उसकी बदौलत हम कितने चौन से रह रहे हैं।

नयी पीढ़ी को बताएं पूर्वजों की प्रेरक कहानियां

पिछले साल पितृ पक्ष के दिनों की बात है। मैं अपने मित्र के घर गया। शाम का समय था। उसके घर के आंगन में मिट्टी के कुछ दीपक टिमटिमा रहे थे। धूप बत्ती की भीनी-भीनी सी सुगंध वातावरण में घुली हुई थी। घर मानो मंदिर बन गया हो। मित्र के हाथों में अपनी मां की एक धुंधली सी ब्लैक एंड व्हाइट फोटो थी। वो अपने बेटे को इस तस्वीर में कैद यादों की दुनिया में ले जा रहे थे-ये तुम्हारी दादी थीं बेटा! मित्र की आवाज में गहरी श्रद्धा थी - जिन्होंने जीवन भर सादगी और दया के भाव का दीपक जलाये रखा। गांव में यदि किसी गरीब के घर चूल्हा न जलता, तो वे चुपचाप अनाज व सब्जियां पहुंचा देती थीं। पड़ोस, गली-मोहल्ले के लोग तारीफ करते हुए कहते-बड़े दिल वाली है दादी मां। हर दिन दादी की रसोई का पहला ग्रास किसी भूखे के लिए आरक्षित रहता था। मित्र लगातार अपने बेटे को उसकी दादी के प्रेम और दया भाव के किस्से सुनाए जा रहा था। बच्चा बड़ी उत्सुकता से यह सब सुन रहा था,जैसे कोई अनजानी कहानी उसके सामने जीवित हो उठी हो। मैं चुपचाप यह दृश्य देख रहा था। मेरे मन में विचार आया-क्या यही सच्चा श्राद्ध नहीं है? सच कहूं तो यह पल मेरे लिए एक सहज जागरण था। आज पितृ पक्ष का वास्तविक अर्थ मेरी समझ में आ गया था। मित्र के अपने बेटे को संबोधन के दौरान मुझे लगा कि श्राद्ध सिर्फ जल के अर्घ्य या पिंड दान के कर्मकांड तक ही सीमित नहीं है , बल्कि यह तो उससे कहीं अधिक गहरा और सार्थक है। ऐसे कर्मकांड निश्चित रूप से हमारी सनातन परंपरा की आधारशिला हैं। ये हमें हमारे पूर्वजों से जोड़ते हैं। वहीं हमारी सामूहिक स्मृति को जीवित बनाए रखते हैं। ऐसे कर्मकांड हमें कृतज्ञता व्यक्त करने का साधन प्रदान करते हैं। परंतु सच्चा श्राद्ध तभी पूर्ण होता है जब हम अपने पूर्वजों की कहानियों, उनके आदर्शों और उनके संस्कारों को अगली पीढ़ी की आत्मा में रोपित करें। दरअसल, परिवार की कहानियों का बच्चों पर गहरा असर पड़ता है। जब हम अपने बच्चों को दादा- दादी , नाना-नानी या पूर्वजों के संघर्षों और उपलब्धियों की कहानियां सुनाते हैं तो वे गौरवान्वित महसूस करते हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास पैदा होता है। चुनौतियों का सामना करने का आत्मबल भी बढ़ता है। वहीं ऐसे बच्चे अधिक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हैं। यह सच है कि जब परिवार के आदर्श और पूर्वजों की कहानियां बच्चों के हृदय में उतरती हैं, तब वे उनके जीवन के सबसे बड़े प्रेरणास्रोत बन जाते हैं। यही भाव एक विद्यालय की इस छोटी-सी घटना में झलकता हैकृएक बार एक विद्यालय के शिक्षक ने बच्चों से पूछा द तुम्हारे आदर्श कौन हैं? किसी ने खिलाड़ी का नाम लिया, किसी ने फिल्म अभिनेता का। किसी ने किसी संत-महात्मा को अपना आदर्श बताया तो किसी ने सामाजिक कार्यकर्ता को। लेकिन एक बच्चा चुपचाप बैठा रहा। शिक्षक ने कारण पूछा तो उसने धीरे से जवाब दिया सर मेरे आदर्श तो मेरे दादाजी हैं। वे बहुत साधारण से व्यक्ति थे, पर गांव के हर जरूरतमंद आदमी की मदद करते थे। जब भी किसी के ऊपर कोई मुसीबत आती, वे सबसे पहले वहां उसकी मदद करने पहुंच जाते। हालाकि आज वे हमारे बीच नहीं हैं, पर उनकी बातें और उनके संस्कार मेरे साथ हैं। शिक्षक भावुक हो गए द बेटा, यह जवाब बताता है कि तुम्हारे भीतर अपने परिवार के संस्कार की कितनी गहरी जड़ें हैं। यही वह ताकत है जो तुम्हें हर परिस्थिति में मजबूत बनाए रखेगी ।यूं तो पितृ पक्ष पूर्वजों को समर्पित श्रद्धा, भक्ति,स्मृति और कृतज्ञता का पर्व है। लेकिन हमे इस दौरान अपने बच्चों के साथ पूर्वजों की जानकारी भी साझा करनी चाहिए। श्रद्धा जहां हमे अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ बनाती है। स्मृति हमें उनकी कहानियों और मूल्यों का स्मरण कराती है। वहीं हमें बच्चों को अपने पूर्वजों की कहानियां सुनानी चाहिये ताकि अपने परिवार के संस्कारों को अगली पीढ़ी को सौंपा जा सके। इससे बच्चों में अपने परिवार और संस्कृति के प्रति गर्व और सम्मान की भावना जाग्रत होगी। बच्चे अपनी विरासत से परिचित होंगे और हमारे पूर्वजों को स्मृति अमर रहेगी।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं।प्रकृति केइस रौद्र रूप केपीछेमहज संयोग या कुदरत की नाराजगी को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओंने पहाड़ोंकेविकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं पेरेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं। आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-ह्लप्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं ह्व यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मयार्दा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं। वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है। भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है।

सामाजिक विषमताएं बनाम देश का आर्थिक विकास

संजीव ठाकुर

आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक, आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में विषमताओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैंस देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा, तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

बोलीविया ने ब्राजील को हराया, क्वालिफाइंग प्लेऑफ में प्रवेश किया

बोलीविया का लक्ष्य चौथी बार तथा 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना होगा। मिगुएल टेरसेरोस ने पहले हाफ में पेनल्टी पर गोल किया जिससे बोलीविया ने मंगलवार को विश्व का फुटबॉल के दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग में ब्राजील को 1-0 से हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित की। टेरसेरोस ने 45वें मिनट में गोल करके बोलिवियाई टीम को 2019 के बाद पहली बार घरेलू मैदान पर ब्राजील पर जीत दिलाई। प्लेऑफ टूनार्मेंट में छह देश शामिल होंगे और यह मार्च के अंतरराष्ट्रीय सत्र में खेला जाएगा, जिससे अगले वर्ष अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप के लिए अंतिम दो स्थानों का निर्धारण होगा। बोलीविया का लक्ष्य चौथी बार तथा 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना होगा। क्वालिफायर में तीसरे स्थान पर रहने वाली कोलंबियाई टीम ने स्ट्राइकर लुइस डियाज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेनेजुएला को 6-3 से हराकर बोलीविया की टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने में मदद की।

तलाक के 2 साल बाद एक्स के प्यार में चारु असोपा

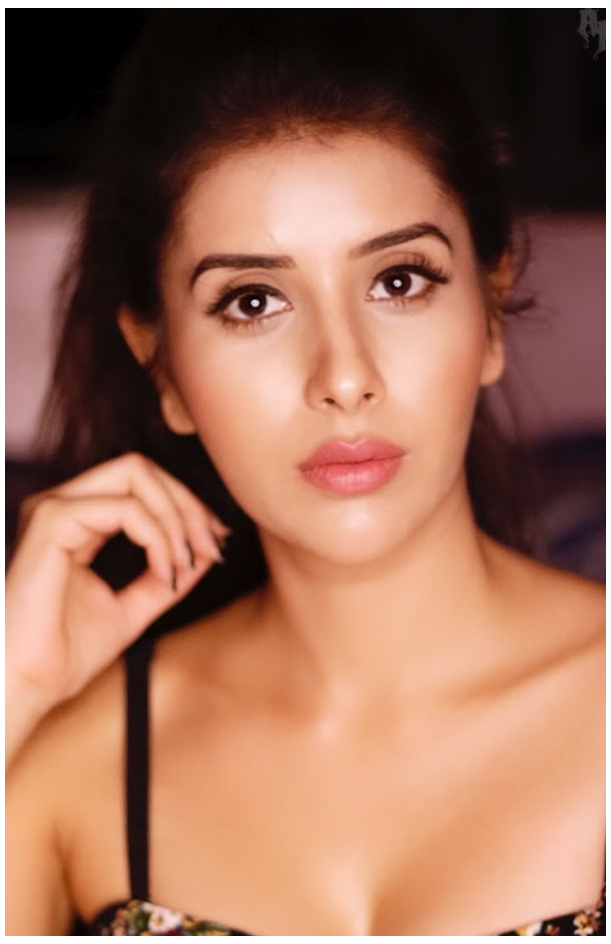

बेटी और एक्स पति संग मना रही हैं वेकेशन

एक्ट्रेस चारु असोपा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खबरों में रहती हैं।चारु असोपा का एक्स पति राजीव संग प्यार, शादी और फिर तलाक अक्सर चर्चा में रहता है। कभी दोनों एक-दूसरे पर इल्जाम लगाते रहते हैं तो कभी एक-साथ वेकेशन एंजॉय करते हैं। हाल ही में चारु ने एक्स पति राजीव संग गणेश चुतुर्थी सेलिब्रेट की थी। वहीं अब एक्ट्रेस बेटी जियाना और एक्स पति राजीव के साथ थाईलैंड वेकेशन पर हैं। उन्होंने वहां से कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं। इस फोटो में वो राजीव के साथ बैठ पोज देती दिखीं। राजीव और चारु साथ में खुश नजर आ रहे हैं। लुक की बात करें तो चारु ब्लू कलर की हाई स्लिट ड्रेस कैरी की। इसी के साथ हाई हील्स भी पहने। चारु ने अपने लुक को हाई बन और लाइट मेकअप के साथ कंप्लीट किया।चारु का गॉर्जियस लुक सोशल मीडिया पर वायरल है।एक तस्वीर में चारु ब्राउन मिनी स्कर्ट में स्टाइलिश लग रही हैं। उन्होंने फोटोज शेयर कर लिखा-बैंकॉक से कुछ फन से भरी पिक्चर्स। बता दें कि चारु और राजीव ने 2019 में शादी की थी और 2023 में अलग हो गए थे। दोनों एक्सर एक-दूसरे पर आरोप भी लगाते रहते हैं लेकिन अब तलाक के बाद दोनों के साथ देखकर उन्हें ट्रोल भी किया जा रहा है।

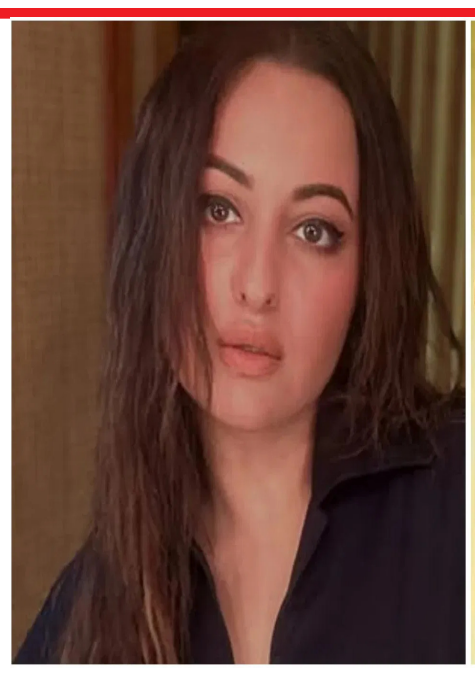

सन ऑफ सरदार 2 में दरकिनार किए जाने पर सोनाक्षी ने दी सफाई, कहा-आप अपमानित महसूस नहीं कर सकते

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा सन ऑफ सरदार फिल्म में नजर आई थीं, जिसमें उनके किरदार को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। वहीं, इसके दूसरे भाग सन ऑफ सरदार 2 में मेकर्स ने उन्हें जगह नहीं दी। इसमें सोनाक्षी की जगह एक्ट्रेस मृणाल ठाकर ने मुख्य भूमिका निभाई। वहीं, अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अजय देवगन स्टारर फिल्म के दूसरे भाग में शामिल नहीं होने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में मीडिया से सन ऑफ सरदार 2 का हिस्सा नहीं होने पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, जहां तक मैं देख सकती हूं कि सन ऑफ सरदार 2 फिल्म के लिए वे विदेश गए थे। इसलिए वही किरदार कहानी का हिस्सा नहीं हो सकता था। आप केवल इसके लिए अपमानित महसूस नहीं कर सकते। आपको व्यावहारिक होना होगा और प्रत्येक फिल्म को एक अलग प्रोजेक्ट के रूप में लेना होगा।बता करें फिल्म सन ऑफ सरदार 2 की तो इसमें अजय देवगन के साथ मृणाल ठाकर मुख्य भूमिका में नजर आईं थीं। इस फिल्म को विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित किया गया था। यह इसी साल 1 अगस्त को पर्दे पर रिलीज हुई, जिसे दर्शकों को खासा प्यार मिला। सोनाक्षी सिन्हा के काम की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही फिल्म जटाधारा में नजर आएंगी। इस फिल्म को कुश सिन्हा द्वारा निर्देशित किया गया है।

हॉलीवुड एक्टर कीनू रीव्स के नाम पर धोखाधड़ी, बुजुर्ग महिला से ठग लिए 65 हजार

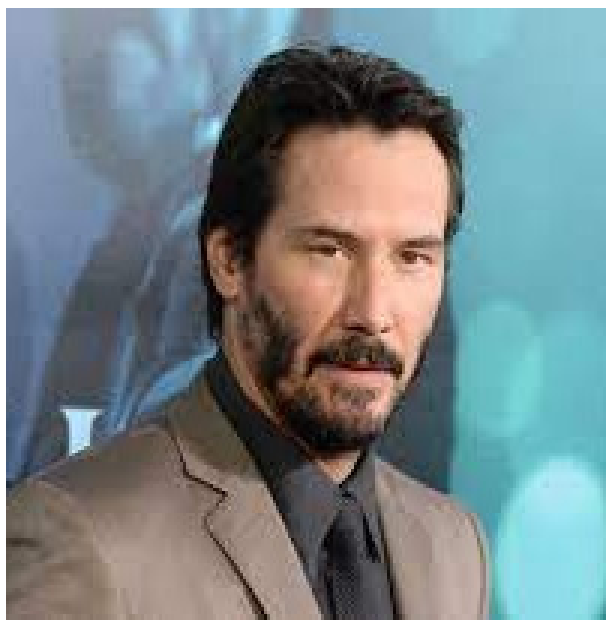

हॉलीवुड एक्टर कीनू रीव्स के नाम पर हाल ही में एक शख्स ने धोखाधड़ी की। शख्स ने एक्टर कीनू रीव्स बनकर एक महिला फैन से 65 हजार रुपए ठगे। पीड़ित महिला की बेटी ने वसोर्वा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने बताया कि धोखेबाज ने उनकी मां को झांसे में ले लिया था। बुजुर्ग महिला वसोर्वा स्थित अपने घर में अकेली रहती है और उन्हें यह विश्वास दिलाकर धोखा दिया कि वह कीनू रीव्स से बात कर रही है। सोमवार को वसोर्वा पुलिस ने मामले में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कथित तौर पर कीनू रीव्स के नाम पर महिला को ठगने के आरोप में एफआईआर दर्ज कर ली। एक धोखेबाज ने सोशल मीडिया के जरिए संपर्क किया और खुद को हॉलीवुड एक्टर किनू रीव्स बताया। उसने इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और व्हाट्सएप पर बुजुर्ग महिला कामत से बातचीत शुरू की और बताया कि वह उनसे मिलने मुंबई आने वाला है। महिला का विश्वास जीतक, उसने कहा कि भारत आने पर उसे भारतीय मुद्रा की जरूरत होगी और उसने कामत से अपने आईडीबीआई बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने को कहा। कामत को यकीन हो गया कि वह असली किनू रीव्स से बात कर रही है इसलिए कामत ने अपने केनरा बैंक अकाउंट से दिए गए आईडीबीआई खाते में 65,000 रुपए ट्रांसफर कर दिए। 30 जून को दोपहर 1रू57 बजे कामत को एक ईमेल मिला जिसे उनकी बेटी ने पढ़ा जिससे उन्हें शक हुआ। पैसे देहरादून स्थित एक बैंक में नाहर नाम के एक व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर किए गए थे। उन्होंने तुरंत अपनी मां से कॉन्टेक्ट किया और पता चला कि वह एक धोखाधड़ी का शिकार हो गई हैं फिर उन्होंने अपनी मां को किसी को भी पैसे ट्रांसफर न करने की सलाह दी। धोखेबाज ने इंस्टाग्राम हैंडल तममअमेऋ1390 और टेलीग्राम आईडी शमंदनऋतममअमे4576 के जरिए कामत से कॉन्टेक्ट किया था। 8 सितंबर को बुजुर्ग महिला की बेटी स्नेहा ने वसोर्वा पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और अब जांच जारी है।

पीएम मोदी के 75वें बर्थडे से पहले विवेक ओबेरॉय का बड़ा ऐलान

75 देशों में 7500 केंद्रों पर ब्लड डोनेशन कैंप लगाएंगे एक्टर

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश-दुनिया में तगड़ी फैन-फॉलोइंग है। वहीं, बॉलीवुड इंडस्ट्री से भी कई ऐसे सेलेब्स हैं, जो पीएम मोदी और उनके कार्यों के हद से ज्यादा दीवाने हैं। उन्हीं स्टार्स में से एक हैं, एक्टर विवेक ओबेरॉय, जिन्होंने पीएम मोदी के 75 बर्थडे को खास बनाने के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। दरअसल, पीएम मोदी 17 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे। इस मौके पर एक्टर विवेक ओबेरॉय गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सबसे बड़े रक्तदान शिविर का आयोजन करने का ऐलान किया है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से बढ़-चढ़कर रक्तदान करने का आग्रह भी किया है। इस कार्यक्रम के बारे में आईएएनएस से बात करते हुए विवेक ओबेरॉय ने कहा, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद पिछले 11 साल से ये मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव चलाते आ रहे हैं। 2014 में हमने इसकी शुरूआत की थी। मैं इसका एंबेसडर बना और पहला रक्तदान मैंने ही किया था। उसी साल हमने 1,00,212 यूनिट ब्लड डोनेशन का रिकॉर्ड बनाया था। आगे उन्होंने कहा-इस बार का रक्तदान शिविर बहुत ही खास होने वाला है। पीएम मोदी के जन्मदिन के अवसर पर हम अहमदाबाद में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शिविर लगाएंगे। उनका 75वां जन्मदिन है, तो 75000 फर्स्ट डोनर्स होंगे। 75 देशों में 7500 केंद्रों पर रक्तदान करने के लिए हम कैंप लगाएंगे। हम सबके लिए यह बहुत बड़ा अवसर होगा। इस बार हमने 3 लाख से अधिक यूनिट ब्लड एकत्र करने का टारगेट रखा है। रक्तदान के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए विवेक ने कहा, ष्पहले मैं सुईं के नाम से ही डरता था, लेकिन जैसे मुझे रक्तदान की अहमियत के बारे में पता चला तो मैंने ब्लड डोनेशन करना शुरू किया। अब हर साल मैं रक्तदान करता हूं। मैं रक्तदान करने के बाद सुपरमैन जैसे फील करता हूं। विवेक ओबरॉय ने और कहा, ष्पीएम मोदी का जन्मदिन आ रहा है, मैं उन्हें शुभकामनाएं देना चाहूंगा। वह देश सेवा में जुटे हुए हैं। उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। समाज के हर तबके के लिए उन्होंने उल्लेखनीय काम किया, ये हमें बहुत प्रेरणा देता है। तो उनके जन्मदिन पर हमें कुछ ऐसा काम करने का प्रण लेना चाहिए जो देशहित में हो। बता दें, विवेक ओबरॉय साल 2019 में आई फिल्म पीएम नरेंद्र मोदी में पीएम का किरदार निभा चुके हैं। इस फिल्म का निर्देशन ओमंग कुमार ने किया था।

प्राइम वीडियो का नया अनस्क्रिप्टेड शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल है 25 सितंबर को ग्लोबल प्रीमियर के लिए तैयार

प्राइम वीडियो, जिसे इंडिया का सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन माना जाता है, ने अपने सबसे ज्यादा इंतेजार किए जाने वाले टॉक शो ओप्पो प्रेजेंट्स टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल का ऐलान कर दिया है। यह शो कोहलर और कल्याण ज्वैलर्स द्वारा को-प्रेजेंट किया जा रहा है और इसका ग्लोबल प्रीमियर 25 सितंबर को होगा।इस टॉक शो का हर गुरुवार एक नया एपिसोड रिलीज किया जाएगा। बता दें कि यह प्राइम वीडियो का नया अनस्क्रिप्टेड ओरिजिनल शो है, जिसमें पहली बार करिश्माई काजोल और बेहद विटी ट्विंकल खन्ना को-होस्ट के रूप में एक साथ नजर आएंगी। इसके अलावा, शो के पहले सीजन में दर्शकों को बेहद शानदार और ग्लैमरस गेस्ट लिस्ट भी देखने को मिलेगी, जो इसे और भी खास बनाएगी। काजोल की एनर्जेटिक पर्सनैलिटी और ट्विंकल खन्ना के ट्रेडमार्क सेंस ऑफ ह्यूमर के साथ, यह टॉक शो जिसे बनिजे एशिया ने प्रोड्यूस किया है, वो दर्शकों को जाने माने कुछ सबसे बड़ी और नामी हस्तियों के साथ मनोरंजन का अनलिमिटेड डोज, बिना फिल्टर किए हुए पलों का मजा, ढेर सारी हंसी और सरप्राइज देने वाला है। प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स, निखिल माधोक का कहना है, टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल सिर्फ एक आम सेलिब्रिटी चौटर नहीं है, बल्कि यह स्टार-स्टडेड गेस्ट लाइनअप के साथ ताजा, सीधी और एंटरटेनिंग बातचीत का मेल होने वाला है। यह ऑडियंस को ढेर सारी हाजिर-जवाबी, दिल से किए गए खुलासे और थोड़ी-सी शरारत से भरे पल भी देगा। वो आगे कहते हैं, हमारा शो दो जबरदस्त होस्ट के इर्द-गिर्द है, जिनकी हाजिर-जवाबी और बेबाकी हर बातचीत में झलकती है, जो ऑडियंस को पूरी तरह से अपने साथ बांधे रखने वाली हैं। बानीजय एशिया और एंडिमोल शाइन इंडिया की ग्रुप चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर मृणालिनी जैन ने कहा, ष्टू मच शो में काजोल और ट्विंकल सिर्फ होस्ट के रूप में नहीं, बल्कि खास आवाजों, जिज्ञासु विचारों और मजबूत इंस्टिंक्ट्स वाली महिलाओं के रूप में दिखाई देंगी। बिना फिल्टर, मजेदार और पूरी तरह से ईमानदार तरीके से यह शो इस बारे में है कि वे क्या पूछना चाहती हैं, उन्हें किस बात की परवाह है, और वे खुद को कैसे पेश करती हैं। वह आगे कहती हैं, कुछ सेलिब्रिटी इस शो में ऐसी बाते बताएंगे जो हमने पहले कभी नहीं सुना होगा। प्राइम वीडियो में हमें एक ऐसा पार्टनर मिला है, जिसने ऐसे शो को सपोर्ट किया जो सिर्फ सेलिब्रिटी नहीं, बल्कि बातचीत को सेलिब्रेट करता है और यही बात इस फॉर्मेट को इतना नया बनाती है। गोल्डी पटनायक, हेड ऑफ पीआर एंड कम्युनिकेशंस ने कहा, ओप्पो का मकसद युवाओं को इंस्पायर करना है कि वो पल को जिएं, अपने पैशन को फॉलो करें और अपनी अनोखी कहानियां खुद बनाएं। प्राइम वीडियो के साथ हमारी ये पार्टनरशिप इसी सोच से मेल खाती है। इस नए टॉक शो का जो वाइब्रेंट और अनफिल्टर्ड फॉर्मेट है और साथ ही इसकी शानदार गेस्ट लिस्ट, यह जरूर उस जेनरेशन को कनेक्ट करेगी जो ऑथेंटिसिटी, क्रिएटिविटी और मायने रखने वाली बातचीत को सबसे ज्यादा महत्व देती है।रणजीत ओक, मैनेजिंग डायरेक्टर, ज्ञ-ठ साउथ एशिया, कोहलर ने कहा, कोहलर में हम हमेशा ओरिजिनैलिटी और बोल्ड वॉइसेज को सेलिब्रेट करने में यकीन रखते हैं। प्राइम वीडियो के साथ इस शानदार टॉक शो में पार्टनरशिप करना, जहां काजोल और ट्विंकल जैसी होस्ट होंगी, हमारे इसी सोच को दशार्ता है। हमें गर्व है कि हम ऐसे शो से जुड़े हैं, जो कस्टमर एक्सपीरियंस को अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट और कैंडिड कन्वर्सेशन के साथ और भी ऊंचा ले जाएगा।

सिंधू हॉन्ग-कॉन्ग ओपन में हारीं, डेनमार्क की प्रतिद्वंद्वी से हारकर टूनार्मेंट से बाहर

यह सिंधू की 25 वर्षीय क्रिस्टोफरसन के खिलाफ छह मैचों में पहली हार है। उन्हें यह हार ऐसे समय में मिली है जब वह फॉर्म में वापसी का संकेत दे रही थीं। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बुधवार को यहां तीन गेम तक चले मैच में डेनमार्क की गैरवरीय लाइन क्रिस्टोफरसन से हारकर हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूनार्मेंट से बाहर हो गईं। क्रिस्टोफरसन ने सिंधू को 21-15, 16-21, 19-21 से हराया। यह सिंधू की 25 वर्षीय क्रिस्टोफरसन के खिलाफ छह मैचों में पहली हार है। उन्हें यह हार ऐसे समय में मिली है जब वह फॉर्म में वापसी का संकेत दे रही थीं। यह स्टार भारतीय खिलाड़ी इस साल के शुरू में स्विस ओपन और जापान ओपन में शुरूआती दौर में ही बाहर हो गई थी। सिंधू ने पहले गेम में 3-1 की शुरूआती बढ़त बना ली थी, लेकिन डेनमार्क की खिलाड़ी ने 5-5 से बराबरी कर ली। सिंधू ने इसके बाद अपने खेल का स्तर बढ़ाया और लगातार अंक बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी 13-12 से आगे थी, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार पांच अंक गंवा दिए।

ढाका विश्वविद्यालय चुनाव में इस्लामी छात्र संगठन ने मारी बाजी

1971 के बाद पहली बार मिली जीत

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में इस्लामी छात्र संगठन आईसीएस ने 12 में से 9 पद जीतकर 1971 के बाद पहली बार बड़ी जीत दर्ज की। सदिक कायम वाइस प्रेसिडेंट और एसएम फरहाद जनरल सेक्रेटरी चुने गए। इसके बाद बीएनपी समर्थित छात्र संगठन जेसीडी ने नतीजों को हेराफेरी बताकर खारिज कर दिया और चुनाव को एक मजाक बताया। बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में इस्लामी छात्र संगठन जमात-ए-इस्लामी के छात्र संगठन इस्लामी छात्र शिबीर (आईसीएस) ने जोरदार जीत हासिल की है। मंगलवार को हुए चुनाव के नतीजे बुधवार को घोषित हुए। यह 1971 के बाद पहली बार है जब कोई इस्लामी छात्र संगठन इतनी बड़ी जीत दर्ज कर पाया है। इस चुनाव में आईसीएस ने कुल 12 पदों में से 9 पर कब्जा किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आईसीएस के सदिक कायम को वाइस प्रेसिडेंट और एसएम फरहाद को जनरल सेक्रेटरी घोषित किया। अध्यक्ष का पद विश्वविद्यालय के उपकुलपति के लिए रिजर्व रखा गया है। बीएनपी ने चुनाव परिणाम मानने से किया इनकार हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के समर्थक बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र संगठन जतियाताबादी छात्र दल (जेसीडी) ने चुनाव परिणामों को मानने से इनकार किया है। उन्होंने परिणामों को हेराफेरी बताते हुए मजाक बताया है। जेसीडी के उपाध्यक्ष उम्मीदवार मोहम्मद अबिदुल इस्लाम ने फेसबुक पर कहा कि वे चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं करते। इसके साथ ही पिछले साल की सरकार विरोधी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) समूह भी इस बार चुनाव में कमजोर रहे। एसएडी के उम्मीदवार अब्दुल कादर ने विश्वविद्यालय पर पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि आईसीएस ने मतदान केंद्रों के अंदर नतीजों में हेरफेर किया। बता दें कि भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण समूह छोड़ने वाली एसएडी की पूर्व प्रवक्ता उमामा फातिमा ने स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ते हुए चुनाव से पहले ही बहिष्कार कर दिया। अधिकारी ने चुनाव को बताया 'मॉडल चुनाव' वहीं दूसरी ओर चुनाव अधिकारी प्रोफेसर मोहम्मद जसिम उद्दीन ने चुनाव को मॉडल चुनाव बताया। साथ ही कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। उन्होंने कहा कि जब भी देश संकट में होता है, ढाका विश्व विद्यालय नेतृत्व करता है। साथ ही राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपी) के नेता हसनात अब्दुल्लाह ने कहा कि ये चुनाव बांग्लादेश के राजनीतिक भविष्य को आकार देंगे और सभी पार्टियों से अपील की कि वे परिणामों का सम्मान करें। कैसा रहा मतदान, जानिए गौरतलब है कि चुनाव में लगभग 78 प्रतिशत वोटर पहुंचे और मतदान शांतिपूर्ण था, हालांकि कुछ जगहों पर अनियमितताओं और पक्षपात की शिकायतें भी आईं। मतदान सुबह आठ बजे शुरू होकर शाम चार बजे तक चला। मतगणना के दौरान आईसीएस ने बढ़त बनाई।

इस्राइली हमले के बाद मलबे में खोजे गए हमास नेताओं के शव, कतर-इस्राइल के बीच बढ़ा तनाव

दोहा (एजेंसी)। कतर में इस्राइली हमले के बाद बुधवार को मलबे में हमास नेताओं के शव खोजे गए। हमास के नेता गाजा पट्टी में युद्ध विराम के लिए अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार करने के लिए कतर आए थे। मगर इस्राइली हमले में उनकी मौत हो गई। हमलों के बाद कतर और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया है। इस्राइली वायुसेना ने मंगलवार को हमास के नेताओं को निशाना बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में बड़ा हमला किया था। इसमें हमास के नेताओं की मौत हो गई थी। कतर पर हुए हमले की मध्य पूर्व और उसके बाहर कई देशों ने व्यापक निंदा की। इसके बाद कतर और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया। साथ ही युद्ध को समाप्त करने और गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को मुक्त कराने के लिए चल रही बातचीत खतरे में पड़ गई है। हमले के बाद हमास ने कहा कि उसके शीर्ष नेता हमले में बच गए, लेकिन पांच निचले स्तर के सदस्य मारे गए। इसमें गाजा में हमास के नेता और उसके शीर्ष वातार्कार खलील अल-हय्या का बेटा, तीन अंगरक्षक और अल-हय्या के कार्यालय का प्रमुख शामिल है। कतर के सरकारी प्रसारक अल जजीरा ने हमले को क्रूर आक्रमण बताया है। सरकारी कतर समाचार एजेंसी ने बताया कि देश के शासक अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित विश्व के नेताओं के साथ कई बार बातचीत की। शेख तमीम ने हमले की निंदा की और कहा कि कतर इस्राइल को इसके परिणामों के लिए जिम्मेदार मानता है।

बार-बार पीएम बदले जाने को लेकर फ्रांस में बवाल

प्रदर्शनकारियों-पुलिस में झड़प, आगजनी; 200 गिरफ्तार

पेरिसं (एजेंसी)। फ्रांस में लोग हजारों की संख्या में सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। राजधानी पेरिस में आगजनी और तोड़फोड़ के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दी हैं। उन्होंने कचरे के डिब्बों को आग के हवाले कर दिया है। उनकी पुलिस के साथ झड़प भी हुई है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की नीतियों के खिलाफ फ्रांस में पेरिस समेत कई अन्य स्थानों पर बुधवार को जमकर बवाल हुआ। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दीं। उपद्रवियों को सार्वजनिक संपत्तियों को आग के हवाले कर दिया। शहरों में जगह-जगह आगजनी से तनाव फैल गया। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। दरअसल,

प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर दबाव बनाने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। वे देश में बार-बार प्रधानमंत्री बदले जाने को लेकर नाराज हैं। नए प्रधानमंत्री को लेकर नाराजगी लोगों में देश में चौथी बार प्रधानमंत्री बदले जाने को लेकर नाराजगी है। प्रदर्शन के जरिए लोग नए प्रधानमंत्री को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के दौरान दिन के शुरूआती घंटों में गृह मंत्री ने लगभग 200 गिरफ्तारियों की जानकारी दी। 80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती के बावजूद लोग बेकाबू हो गए प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी थी कि वे अपने आंदोलन के दौरान सब कुछ ठप कर देंगे। हालांकि, आंदोलन शुरू में ठंडा पड़ा रहा और लोगों ने इसमें ऑनलाइन ही मौजूदगी दर्ज कराई। सोशल मीडिया पर हैशटैग ट्रेंड में रहा। फिर जैसे-जैसे दिन बढ़ा और गर्मी ने जोर पकड़ा, यह विरोध प्रदर्शन तेज होता गया। 80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती के बावजूद लोग बेकाबू हो गए। उन्होंने बैरिकेड्स तोड़ दिए। इसके बाद तत्काल गिरफ्तारियां की गईं। विद्रोह का माहौल बनाने की कोशिश गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ ने कहा कि पश्चिमी शहर रेनेस में एक बस में आग लगा दी गई। एक बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने से दक्षिण-पश्चिम में एक लाइन पर ट्रेनें अवरुद्ध हो गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी विद्रोह का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे थे। सेबेस्टियन लेकोर्नू नए प्रधानमंत्री बनाए गए इससे पहले फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू (39) का नाम देश के नए प्रधानमंत्री के लिए सामने आया था। फ्रांस्वा बायरू के इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने लेकोर्नू को प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया है। बीते एक साल में फ्रांस अपने चौथे प्रधानमंत्री को देख रहा है। देश के जनता बार-बार पीएम बदले जाने के फैसले से खुश नहीं है।

'आरोपी का कोई गलत इरादा नहीं था', अदालत ने नाबालिग लड़की को चूमने के आरोपी को बरी किया

ठाणे (एजेंसी)। अदालत ने कहा, 'जिस आरोप के लिए आरोपी के खिलाफ मुकदमा चलाया गया, उसे गलत तरीके से छूने की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। पीड़िता की उम्र को देखते हुए, कोई भी व्यक्ति जो बच्चों से प्यार करता है, उसे गोद में उठा सकता है। उसके गाल पर प्यार से चुंबन दे सकता है, जो आमतौर पर समाज में होता है।' महाराष्ट्र के ठाणे की एक विशेष अदालत ने साल 2021 में एक तीन साल की बच्ची चूमने और उसके साथ कथित छेड़छाड़ के आरोपी को रिहा करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी का कोई गलत इरादा नहीं था। अदालत ने कहा कि बच्चों को प्यार करने वाला कोई भी व्यक्ति स्वभाविक तौर पर ऐसा कर सकता है। अदालत ने आरोपी को दिया संदेह का लाभ अदालत ने आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए कहा कि आरोपी का कोई गलत इरादा नहीं था और अभियोजन पक्ष उसके खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा। 22 अगस्त को पारित इस आदेश में, पोक्सो कानून से संबंधित मामलों की सुनवाई कर रही विशेष न्यायाधीश रूबी यू मालवंकर ने 54 वर्षीय ओमप्रकाश रामबचन गिरि को बरी कर दिया। ओमप्रकाश रामबचन गिरी पर 9 जनवरी, 2021 को दो अलग-अलग मौकों पर नाबालिग बच्ची को गले लगाने और चूमने का आरोप था। पुलिस ने उनके खिलाफ ढडउरड अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की गरिमा भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत मामला दर्ज किया था। अदालत ने कहा, 'जिस आरोप के लिए आरोपी के खिलाफ मुकदमा चलाया गया, उसे गलत तरीके से छूने की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। पीड़िता की उम्र को देखते हुए, कोई भी व्यक्ति जो बच्चों से प्यार करता है, उसे गोद में उठा सकता है। उसके गाल पर प्यार से चुंबन दे सकता है, जो आमतौर पर समाज में होता है।' अदालत ने की ये टिप्पणी अदालत ने कहा कि 'हमारे जैसे देश में, जब तक कि वह बच्चे को चोट न पहुंचा रहा हो या उसका व्यवहार आपत्तिजनक या अपमानजनक नहीं माना जाता।

पीटर नवारो ने फिर उगला भारत के खिलाफ जहर; अमेरिकी विशेषज्ञों ने ही दिखा दिया आईना, समझ पर उठाए सवाल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। पीटर नवारो ने कहा है कि अमेरिका को भारत के साथ 'अनुचित व्यापार' करने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन भारत जरूर अमेरिकी बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए बेचैन है। पिछले कुछ हफ्तों में, पीटर नवारो ने भारत के खिलाफ जमकर बयानबाजी की है। नवारो ने भारत पर रूस का तेल कम कीमत पर खरीदकर मुनाफा कमाने का आरोप लगाया है।

पीटर नवारो ने फिर उगला भारत के खिलाफ जहर पीटर नवारो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'अमेरिका को भारत के साथ अनुचित व्यापार करने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन भारत को अमेरिकी बाजारों तक पहुंच की सख्त जरूरत है और वह अमेरिकी नौकरियां छीनता रहेगा।' नवारो ने एक बार फिर भारत पर रूस-यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'भारत रूस के यूक्रेन युद्ध को ईंधन देता है। भारत संरक्षणवादी है और उसके टैरिफ आसमान छू रहे हैं। अमेरिका का भारत के साथ भारी व्यापार घाटा है।' पीटर नवारो की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब भारत और अमेरिका के संबंध एक बार फिर से पटरी पर आते दिखाई दे रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ की है और पीएम मोदी ने भी दोनों देशों के संबंधों को खास बताया है। अमेरिकी विशेषज्ञों ने ही दिखाया आईना पीटर नवारो को अमेरिकी विशेषज्ञों ने ही आईना दिखाया है। अमेरिका के ऊर्जा और भूराजनीतिक विशेषज्ञ डेविड गोल्डविन ने कहा है कि पीटर नवारो एक कम समझ वाले राजनयिक हैं।

महाराजा रणजीत सिंह की विरासत पर शोध की मांग, सरदार तरलोचन सिंह ने की ब्रिटिश सिख नेताओं से अपील

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में पूर्व राज्यसभा सांसद सरदार तरलोचन सिंह को उनके काम के लिए सिख ज्वेल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने ब्रिटिश सिख नेताओं से अपील की कि महाराजा रणजीत सिंह के बिखरे खजानों पर शोध कर उन्हें सूचीबद्ध किया जाए और एक संग्रहालय में संरक्षित किया जाए। पूर्व राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सरदार तरलोचन सिंह ने ब्रिटन के सिख सांसदों और नेताओं से एक बड़ी अपील की है। उन्होंने महराजा रणजीत सिंह के बिखरे हुए खजानों पर प्रामाणिक शोध करने की बात पर जोर दिया। ताकि उन्हें सूचीबद्ध कर एक संग्रहालय में संरक्षित किया जा सके। पूर्व सांसद तरलोचन लंदन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स परिसर में अपने सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह के

तोशाखाने (खजाने) से जुड़ी कई अमूल्य वस्तुएं अब भी ब्रिटेन के विभिन्न संग्रहालयों में बिखरी हुई हैं। बता दें कि इससे पहले ब्रिटिश सांसद तनमनजीत सिंह धेसी ने सरदार तरलोचन सिंह को उनके समाजसेवा और सिख समाज के उत्थान के लिए किए गए कार्यों के लिए सिख ज्वेल अवॉर्ड से सम्मानित किया। महाराजा की धरोहर को एकजुट करने पर जोर सरदार तरलोचन सिंह ने कहा कि ऐसी ऐतिहासिक रिपोर्टें सामने आई हैं जिनमें ब्रिटिश शासन के समय की एक फाइल में महाराजा के खजाने की सूची दी गई है। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों को अपनी विरासत पर गर्व हो, इसके लिए जरूरी है कि महाराजा रणजीत सिंह के खजानों की सूची जारी की जाए। उन्होंने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह जी की पवित्र कलगी, जिसे महाराजा रोज श्रद्धापूर्वक छूते थे, भी उस खजाने में थी। महाराजा की सोने की कुर्सी आज विक्टोरिया एंड अल्बर्ट म्यूजियम में प्रदर्शित है, लेकिन कई वस्तुएं संग्रहालयों में भंडारण में पड़ी हैं, जिन्हें एक छत के नीचे लाकर प्रदर्शित किया जा सकता है। इस दौरान सिंह ने ये भी साफ किया कि उनकी मांग इन वस्तुओं को भारत लाने की नहीं, बल्कि ब्रिटेन में ही उचित देखभाल और प्रदर्शन की है। सारागढ़ी युद्ध को लंदन में स्मृति देने की अपील इसके साथ ही सरदार तरलोचन सिंह ने ब्रिटिश सिख एसोसिएशन से यह भी आग्रह किया कि वे 1897 के सारागढ़ी युद्ध को लंदन में यादगार बनाएं। यह वही युद्ध है जिसमें ब्रिटिश भारतीय सेना की 36वीं सिख रेजिमेंट के 21 सिख सैनिकों ने हजारों अफगान कबायलियों से मुकाबला किया था। लॉर्ड रामी रेंजर ने किया समर्थन ब्रिटिश सिख एसोसिएशन के अध्यक्ष लॉर्ड रामी रेंजर ने इस विचार का समर्थन करते हुए कहा कि एसोसिएशन इस कार्य के लिए एक सारागढ़ी मेमोरियल सोसाइटी बनाएगी। लॉर्ड कुलदीप सिंह साहोता ने वॉल्वरहैम्प्टन में स्थापित हवलदार ईशर सिंह की कांस्य प्रतिमा का ज़िक्र किया, जो सारागढ़ी युद्ध की याद में लगाई गई है।

'लाठी लेकर दौड़ी भीड़', नेपाल में फंसी भारतीय पर्यटक की आपबीती; प्रदर्शनकारियों ने होटल फूंका

काठमांडो (एजेंसी)। नेपाल में फैली हिंसा का सामना एक भारतीय पर्यटक को भी करना पड़ा है। भारतीय पर्यटक ने सोशल मीडिया के जरिये आपबीती साझा करते हुए कहा कि मैं जिस होटल में रुकी थी, उसमें आग लगा दी गई। जब मैं स्पा से लौटी तो भीड़ मेरे पीछे लाठी लेकर दौड़ी। मैंने जैसे-तैसे भागकर जान बचाई। भारतीय पर्यटक ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में उपासना गिल नाम की महिला ने कहा कि वह नेपाल में वॉलीबाल लीग में भाग लेने आई थी। मैं पोखरा के जिस होटल में ठहरी हुई थी, वह जलकर खाक हो गया है। कमरे में रखा मेरा सारा सामान जल गया। मैं स्पा में गई थी। जब मैं वहां से वापस लौटी तो लोग बड़ी-बड़ी लाठियां लेकर दौड़ रहे थे। मैंने बड़ी मुश्किल से वहां से भागकर अपनी जान बचाई। उपासना गिल ने प्रफुल्ल गर्ग के साथ साझा किए वीडियो में कहा कि यहां हालात बहुत खराब हैं। हर जगह सड़कों पर आग लगाई जा रही है। प्रदर्शनकारी पर्यटकों को भी नहीं बख्श रहे हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई पर्यटक है या कोई काम से आया है। वे बिना सोचे-समझे हर जगह आग लगा रहे हैं। हमें नहीं पता कि हम कब तक किसी और होटल में रहेंगे। लेकिन मैं भारतीय दूतावास से विनती करती हूं कि कृपया यह वीडियो, संदेश उन तक पहुंचा दिया जाए। आप सभी से हाथ जोड़कर विनती है। हमारी मदद करें। मेरे साथ यहां बहुत से लोग हैं, और हम सब यहां फंसे हुए हैं। भारतीय दूतावास ने जारी की सलाह नेपाल के हालात को लेकर काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने नेपाल में सभी भारतीय नागरिकों के लिए आपातकालीन नंबर जारी किए हैं।

'धर्म आधारित आवासीय परियोजनाएं राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा'

हलाल टाउनशिप को लेकर बढ़ा विवाद

मुंबई (एजेंसी)। उपाध्ये ने कहा, '1857 के विद्रोह के बाद, सर सैयद अहमद खान ने मुसलमानों के लिए अलग बस्तियों की मांग की थी, जिसे विभाजन की पहली मांग माना गया। करजत में आज की हलाल बस्ती को भी देश की एकता के लिए खतरे की घंटी के रूप में देखा जाना चाहिए।' महाराष्ट्र भाजपा ने धर्म के आधार पर आवासीय परियोजनाओं की आलोचना की है और विभाजनकारी हथकंडा बताते हुए इन्हें राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बताया। भाजपा ने कहा कि धर्म आधारित आवासीय परियोजनाएं देश के सांविधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करती हैं। भाजपा प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने हाल ही में मुंबई से लगभग 100 किलोमीटर दूर करजत के पास प्रस्तावित 'हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप' को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि 'हमारी आपत्ति आवासीय संपत्तियों की बिक्री के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाने को लेकर है। यह अस्वीकार्य है।' यह टाउनशिप सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लिए हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप के नाम से प्रमोट की जा रही है। हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप पर बढ़ा विवाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने करजत परियोजना से जुड़ी शिकायत का संज्ञान लिया है और राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। साथ ही, आवास नियामक महाराष्ट्रेरा से भी इस परियोजना को मंजूरी देने के कानूनी आधार पर स्पष्टीकरण मांगा है। उपाध्ये ने कहा कि धर्म से प्रेरित ऐसी परियोजनाएं विभाजन के बीज बोने का प्रयास करती हैं। उन्होंने कहा, 'मुंबई के आसपास ऐसी 'हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप' बनाकर समाज में धार्मिक विभाजन की दीवारें खड़ी करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए।' 'ये परियोजना सांविधानिक मूल्यों पर सीधा हमला' भाजपा नेता ने कहा, '1857 के विद्रोह के बाद, सर सैयद अहमद खान ने मुसलमानों के लिए अलग बस्तियों की मांग की थी, जिसे विभाजन की पहली मांग माना गया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।